सुविचार

जो सीख समय और अनुभव हमें देते हैं, वह कोई किताब नहीं सिखा सकती।

दैनिक

रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

वर्ष - 10 ■ अंक - 198 ■ मंडला, शनिवार 3 अक्टूबर 2026 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-1 रूपये ■ विक्रम संवत् 2083 ■ www.revanchaltimes.com RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877

पाकिस्तानी घुसपैठ की कोशिश नाकाम, बीएसएफ ने पंजाब बॉर्डर पर दो को किया ढेर



नई दिल्ली,एजेंसी। पंजाब के तरन तारन सेक्टर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर घुसपैठ की कोशिश को क़रस्न ने नाकाम कर दिया. क़रस्न के मुताबिक, पाकिस्तान की तरफ से कुछ लोग अवैध तरीके से भारतीय सीमा में दाखिल होने की कोशिश कर रहे थे. सुरक्षा एजेंसियों ने पहले उन्हें चेतावनी दी, लेकिन इसके बावजूद घुसपैठिए आगे बढ़ते रहे. इसके बाद सुरक्षा बलों ने कार्रवाई की और दो घुसपैठिए को मार गिराया. यह घटना तरन तारन के क़ह्दक्क राजोके इलाके में रात करीब 12.30 बजे हुई. बीएसएफ के मुताबिक, पाकिस्तान की तरफ चट्टनवाले इलाके से कम से कम तीन लोग भारतीय सीमा की तरफ बढ़ रहे थे. उन्हें चुनौती दिए जाने के बाद फायरिंग की गई. इस कार्रवाई में दो घुसपैठिए मारे गए. फायरिंग के दौरान एक और घुसपैठिए के भागकर पाकिस्तान की तरफ लौट जाने की बात कही जा रही है. यानी कुल तीन लोग भारतीय सीमा में दाखिल होने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन सुरक्षा बलों की कार्रवाई के बाद दो को मार गिराया गया, जबकि तीसरा वापस लौट गया.

चीन को हिंदुस्तान का माकूल जवाब, लद्दाख के मानचित्र पर 28 स्थानों पर भारत की मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण रणनीतिक तथा कूटनीतिक कदम उठाते हुए केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के परामर्श से वहां के 28 स्थानों और भौगोलिक संरचनाओं को भारतीय सर्वेक्षण विभाग के आधिकारिक मानचित्र पर उनके मानक स्थान और नाम के साथ चिन्हित किया है। सरकार के इस कदम को कूटनीतिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उसे पूर्वी लद्दाख में चीन द्वारा किए जाने वाले क्षेत्रीय दावों और क्षेत्रों के नाम बदलने की कोशिशों के कड़े जवाब के रूप में देखा जा रहा है। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि इसका उद्देश्य इन स्थानों की सटीक पहचान को आसान बनाना और आम लोगों में इनके बारे में जागरूकता बढ़ाना है। भारतीय सर्वेक्षण विभाग के लद्दाख के मानचित्र पर चिन्हित 28 स्थानों और भौगोलिक संरचनाओं में पर्वत चोटियां, पर्वत, दर्रे, भू-भाग, हिमनद, घाटी, झील, नदी और जल निकाय शामिल हैं। चिन्हित स्थानों में अतीशा गिरी, ब्रांगसा, चपचिंगल दर्रा, कनिष्क चोटी, करुण पीर, कुकसेल, मार्तंड गिरी, परपिक हिमनद, स्कामरी हिमनद, शचमिर्क दर्रा, श्कोर्गा घाटी, जोरावर चोटी, देहरा कम्पास, द्रक करपो, गोगरा, जोलमोरी, कुमारायण बिंदु, पांगलुंग, रिनचेन जांगपो, शाक्यश्री गिरी, गुरु रिनपोछे, शमाल लुंगपा, यांगपा नदी, हॉट स्प्रिंग, मार्पा लोत्सावा री, मिलारेपा कांगरी, शिव री और महेश्वर री शामिल हैं। लद्दाख का मानचित्र अतिरिक्त स्थानों और भौगोलिक संरचनाओं सहित भारतीय सर्वेक्षण विभाग की वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव और तीन अन्य पर 271 करोड़ का जुमार्ना

बेंगलुरु। एक्ट्रेस हर्षवर्धिनी रान्या राव और तीन अन्य लोगों पर 2 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। इन पर मार्च 2024 से मार्च 2025 के बीच 102.5 करोड़ रुपये कीमत के 127 किलोग्राम सोने की तस्करी करने का आरोप है। यह मामला 3 मार्च 2025 को दुबई से बेंगलुरु आने के बाद रान्या के पास से 12.6 करोड़ रुपये कीमत का 14.2 किलोग्राम सोना जब्त किए जाने से जुड़ा है। बेंगलुरु एयरपोर्ट के ज्वाइंट कमिश्नर संदीप गुंजाल ने रान्या राव को इस पूरे कंसाइनमेंट (खेप) के लिए जिम्मेदार ठहराया और उन पर 102.5 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया। रान्या राव के साथ ही तरुण कोंडुरु राजू पर 62.1 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया गया। वहीं साहिल सकारिया जैन और भरत कुमार जैन पर अलग-अलग 53.1 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया गया।

सीईसी के खिलाफ दिल्ली में प्रोटेस्ट जारी

आतिशी, संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज समेत 700 लोग हिरासत में



नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर राजनीतिक माहौल 2 अक्तूबर की सुबह से ही गर्म है. मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कॉकरोज जनता पार्टी समेत कई दलों ने आज प्रदर्शन शुरू किया है. ऐसे में दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर सुरक्षा कड़ी कर दी है. यहां बैरिकेडिंग की गई है साथ ही अतिरिक्त सुरक्षाबलों की मांग की गई है. दिल्ली में धारा-163 लागू है, सुबह दिल्ली में 11 मेट्रो स्टेशन बंद किए थे, जबकि अब 12वां स्टेशन भी बंद कर दिया गया है. लुटियंस जोन को सुबह से ही छावनी में तब्दील कर दिया गया है. दिल्ली पुलिस ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से अतिरिक्त सुरक्षा बलों की मांग की है. अब तक यहां 700 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों का पुलिस ने हिरासत में लिया है. इस इलाके में इंटरनेट बंद कर दिया गया है.

जंतर-मंतर कई नेताओं को हिरासत में लिया गया : दिल्ली के जंतर-मंतर पर चुनाव आयोग और रक्फ प्रक्रिया के प्रदर्शन के लिए पहुंचे कई नेताओं को हिरासत में लिया गया है. अअढ नेता सौरभ भारद्वाज, संजय सिंह, आतिशी फखऊ सांसद मनोज झा समेत 700 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है. सौरभ भारद्वाज ने कहा 'उन्हें शर्म आनी चाहिए, क्या विरोध प्रदर्शन के लिए इजाजत की जरूरत होती है? आखिरकार यह गांधी का देश है. आज गांधी जयंती है. पुलिस स्टेट बनाने के बावजूद ज्ञानेश कुमार प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह अपने गुनाह को छिपा नहीं पाएंगे.' पुलिस यहां लोगों को जुटने नहीं दे रही है. दिल्ली पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ खुद जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध-प्रदर्शन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया हैं. दिल्ली पुलिस ने जंतर मंतर पर ड्रोन से भी निगरानी करनी शुरू कर दी है, जबकि यहां हर सड़क पर पूरी नजर रखी जा रही है. सबसे पहले आप नेता सौरभ भारद्वाज यहां प्रदर्शन के लिए पहुंचे थे, जिन्हें हिरासत में ले लिया गया है.

हिरासत में लिए जाने से पहले सौरभ भारद्वाज ने कहा 'मैं यहां पर अकेला आया हूं. इस समय मेरे घर के बाहर करीब 30-40 पुलिसकर्मी तैनात हैं. हमारे तमाम नेताओं के घर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात है. मैं हमारे देश के युवाओं से कहना चाहता हूं कि जब मैं बिना किसी वाहन के पुलिस के जंतर-मंतर से मेट्रो से पहुंच सकता हूं तो आप भी आ सकते हैं. तमाम युवाओं से मैं कहना चाहता हूं कि जब मैं पहुंच सकता हूं तो आप भी पहुंच सकते हैं।

जंतर-मंतर पर इंटरनेट बंद

जंतर मंतर पर सभी सड़कें सील कर दी गई हैं, जबकि यहां इंटरनेट भी बंद कर दिया गया है. इससे पहले 11 मेट्रो स्टेशन भी बंद कर दिए गए थे. दिल्ली में यहां लोग प्रदर्शन के लिए पहुंच रहे हैं. लेकिन पुलिस ने मोर्चा संभाल रखा है. लुटियन जोन पूरी तरह से सील कर दिया गया है.

CJP समेत कई दलों का प्रदर्शन

दरअसल, यह विरोध प्रदर्शन सीजेपी, अक्रअ, राज्यसभा सांसद मनोज झा और सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रशांत भूषण ने बुलाया है. ये सभी चुनावी रोल और चुनाव संचालन में अनियमितताओं के आरोपों के कारण मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग कर रहे हैं.दिल्ली पुलिस ने चुनावी रोल में कथित अनियमितताओं को लेकर शुक्रवार को जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार कर दिया है. ऐसे में मध्य दिल्ली में सुरक्षा कड़ी कर दी है. क्योंकि भले ही विरोध प्रदर्शन को अनुमति नहीं मिली है, लेकिन यहां फिर भी लोगों के बड़ी संख्या में पहुंचने की संभावना बनी हुई है.

जंतर-मंतर पर बैरिकेडिंग

जंतर-मंतर जाने वाले इलाकों, जिनमें टॉल्स्टॉय मार्ग, जनपथ रोड और संसद मार्ग शामिल हैं, में कई परतों वाली बैरिकेडिंग भी की गई है. जंतर-मंतर पर विरोध स्थल को टॉल्स्टॉय मार्ग और केरल भवन, दोनों तरफ से बंद कर दिया गया है. जंतर-मंतर पर लंबी बैरिकेडिंग की गई है, साथ ही संसद मार्ग के आसपास दिल्ली पुलिस के साथ-साथ केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और अर्धसैनिक बलों के हजारों जवानों को तैनात कर दिया गया है। ताकि किसी तरह की परिस्थिति के लिए तैयारी रहे. सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा करते हुए नई दिल्ली जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू की गई है.

पीएम मोदी ने दी गांधी जी को दी श्रद्धांजलि, खादी उत्पाद खरीदने का किया आव्हान

नयी दिल्ली, एजेंसी। दो अक्टूबर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनका शाश्वत



संदेश बेहतर समाज और विकसित भारत की दिशा में मार्गदर्शन करता रहेगा। मोदी ने कहा कि बापू का पूरा जीवन सत्य, अहिंसा, करुणा और सेवा की मिसाल था जो हर दौर में मानवता का मार्गदर्शन करता रहेगा। मोदी ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "बापू का शाश्वत संदेश हमें एक बेहतर समाज और 'विकसित भारतइ की दिशा में मार्गदर्शन करता रहेगा। प्रधानमंत्री ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से यह भी कहा कि देश के लिए इस दिन के महत्व से सभी लोग परिचित हैं। मोदी ने कहा, "बापू की विचारधारा ने पूरी दुनिया को प्रेरित किया है। महात्मा गांधी एक ऐसी शख्सियत हैं जो सत्ता से दूर रहने के बावजूद करोड़ों लोगों के दिलों में बसे हुए हैं।इइ प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि आने वाले वर्षों में भी महात्मा गांधी की विचारधारा मानवता का मार्गदर्शन करती रहेगी और प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने कहा, "महात्मा गांधी ने हमेशा सभी को 'स्वदेशीइ अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इतिहास इस प्रक्रिया में खादी हमेशा प्राथमिकता रही है। मैं सभी से अपील करता हूं कि दो अक्टूबर को कम से कम एक खादी उत्पाद खरीदें और गर्व से कहें कि यह 'स्वदेशीइ है।गांधी का जन्म दो अक्टूबर 1869 को पोरबंदर में हुआ था और 30 जनवरी 1948 को दिल्ली में उनकी हत्या कर दी गई थी।

मोदी से कैप्टन स्मित बोले- घायल था पर हिम्मत नहीं हारी

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 174 जान बचाने वाले भारतीय पायलट स्मित मल्छर से करीब 9 मिनट वीडियो कॉल पर बात की। इस दौरान मोदी ने कहा, पूरा देश आपके लिए प्रार्थना कर रहा था और आपके अच्छे स्वास्थ्य की कामना कर रहा था। आपके साहस और सूझबूझ से कई लोगों की जान बची।

बातचीत के दौरान स्मित ने बताया कि वह विमान उड़ा रहे थे और एक झटके के बाद नीचे गिर गए, जिससे उन्हें काफी चोटें आईं। इसके बावजूद उन्हें महसूस हो रहा था कि विमान नीचे जा रहा है। स्मित ने कहा, 'मुझे पता था कि यह आखिरी मौका है। दरवाजा वहीं था और मैंने उसे खोल दिया। मैं मुश्किल समय में हनुमान चालीसा पढ़ता हूं और उस समय भी पढ़ रहा था। मुझे पता है कि भगवान ने ही हमें बचाया।' पीएम से बात करते हुए स्मित भावुक हो गए। उन्होंने कहा, 'आपका फोन आया, यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। माफ कीजिए सर, मैं आपके सामने रो रहा हूं। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मेरी आपसे बात होगी।

एशियन गेम्स में भारतीय मुक्केबाजों की गोल्डन हैट्रिक



लवलीना-परवीन के बाद अंकुश ने सोना जीता; रेसलर सुजीत भी गोल्ड जीते

नागोया। भारत ने एशियन गेम्स में शुक्रवार को पांचवां गोल्ड जीत लिया है। यह मेडल मुक्केबाज परवीन हुड्डा ने महिलाओं की 65 डॅ वेट कैटेगरी में दिलाया। परवीन से 2022 एशियाड का ब्रॉन्ज डोपिंग नियमों के कारण छीन लिया गया था। परवीन से पहले लवलीना बोरगोहेन ने अपने जन्मदिन पर 75 किग्रा का गोल्ड जीता था। यह पहला मौका है, जब भारत की 2 महिला मुक्केबाजों ने एशियन गेम्स के एक एडिशन में 2 स्वर्ण पदक जीते हैं। मैरी कॉम ने 2014 में गोल्ड जीता था। भारतीय महिला तीरंदाजी टीम ने भी रिकर्व में गोल्ड दिलाया। भारत के 15 गोल्ड मेडल हो गए हैं।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत बोले

धर्म और राष्ट्र एक-दूसरे के पूरक, संकट में दुनिया को भारत से राह की उम्मीद



नई दिल्ली। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत में धर्म और राष्ट्र अलग-अलग नहीं हैं तथा दुनिया के सामने मौजूद कई चुनौतियों से निपटने में देश की विशाल ज्ञान-परंपरा की भूमिका रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख ने अखिल भारतीय विहार सेवा समूह के 14वें सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया विकास और पर्यावरण संरक्षण, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पारिवारिक जीवन, तथा धार्मिक आस्था और संघर्ष के बीच विरोधाभासों से जूझ रही है। उन्होंने कहा, जैसे-जैसे विकास बढ़ता है, पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। वहीं, जहां पर्यावरण की रक्षा करनी होती है, वहां विकास नहीं हो पाता। जैसे-जैसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता बढ़ती है, परिवार बिखर रहे हैं। समाज में भी विघटन हो रहा है। भागवत ने कहा कि भारत की ऐतिहासिक परंपरा रही है कि वह दूसरे देशों पर विजय हासिल किए बिना या लोगों का धर्मांतरण किए बगैर अपना ज्ञान साझा करता रहा है। उन्होंने कहा, दुनिया जानती है कि रास्ता भारत से निकलेगा। उन्होंने कहा कि भारत के पास एक विशाल ज्ञान परंपरा है जिसमें वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, गीता, जैन आगम, त्रिपिटक, गुरु ग्रंथ साहिब और संतों की शिक्षाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा, हमारे देश के पास ज्ञान का एक बहुत बड़ा खजाना है, जिसकी आज दुनिया को जरूरत है। भागवत के अनुसार, इस ज्ञान को आगे बढ़ाने वाले लोगों के जीवन और परंपराओं की रक्षा करना केवल एक धार्मिक जिम्मेदारी नहीं बल्कि मानवता की सेवा है। भागवत ने यहां कहा, हमारा राष्ट्र और धर्म अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखने में मदद करता है। दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं। अगर एक है तो दूसरा भी है और अगर एक नहीं है तो दूसरा भी नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्र कमजोर होता है तो धर्म भी खतरे में पड़ जाता है। भागवत ने कहा, अगर धर्म का पालन कमजोर पड़ता है, तो दोनों को साथ-साथ सही तरीके से आगे बढ़ाना होगा। यह हमारी जिम्मेदारी बन जाती है। उन्होंने कहा कि भारतीय दृष्टिकोण केवल किसी एक वर्ग के कल्याण तक सीमित नहीं है। भागवत ने कहा, हमारे पूर्वजों ने पूरे विश्व के कल्याण के बारे में सोचा। हम कहते हैं कि सभी सुखी रहें। हम यह नहीं मानते कि कुछ लोग समृद्ध हों और कुछ नहीं।यहां ऐसा कोई दोहरा मापदंड नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर कुछ लोग लगातार पीड़ित रहते हैं तो अधिक से अधिक लोगों का अधिकतम कल्याण का विचार भी पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा, भले ही अधिकतम संख्या में लोग खुश हों लेकिन अगर कुछ लोग भी पीड़ित हैं, तो उनका दुख सभी की खुशी को नष्ट कर देता है। भागवत ने यह भी कहा कि दुनिया में मौजूद संघर्षों और दुविधाओं का समाधान किसी एक पक्ष को दूसरे की कीमत पर चुनकर नहीं किया जा सकता। उन्होंने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सामूहिक जीवन के बीच के तनाव का जिक्र करते हुए कहा, अगर समूह को एकजुट रखना है, तो ऐसा लगता है कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता को दबाना होगा। उन्होंने कहा, अगर धार्मिक आस्था बढ़ती है तो यह पता नहीं कि आस्था कितनी बढ़ती है, लेकिन कट्टरता जरूर बढ़ती है।

मिजोरम में खाई में गिरी कार, आइजोल दूरदर्शन के डायरेक्टर और इंफाल पीआईबी के अधिकारी समेत तीन की मौत

आइजोल। आइजोल से लगभग 30 किलोमीटर दक्षिण में सताएक गांव के पास गुरुवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक गहरी खाई में कार गिरने से केंद्र सरकार के तीन अधिकारियों की मौत हो गई। प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो के एक अधिकारी ने बताया कि इन लोगों में आइजोल दूरदर्शन के डायरेक्टर (न्यूज) नाम्पिबोउ मारिनमाई और इंफाल पीआईबी के एडिशनल डायरेक्टर जनरल एंगम पामे शामिल थे। वकड्ढक्र अधिकारी ने बताया कि शवों के पोस्टमार्टम के बाद दूरदर्शन और पीआईबी के अधिकारियों का शव मणिपुर में उनके गृहनगर भेजा जाएगा।

हादसे में तीन अधिकारियों की मौत : अधिकारी ने बताया कि इस हादसे में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ कम्युनिकेशन के स्थानीय फील्ड ऑफिस के मल्टी-टास्किंग स्टाफ सदस्य एच. लियानवेला की भी मौत हो गई। ष्टक्रष्ट आइजोल के ड्राइवर गोजेंद्रो डे गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें आइजोल के पास फाल्कॉन स्थित जोरम मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

पेशावर में लहरा देंगे झंडा 2 दिन में!

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की ओर से अफगानिस्तान में एक बार फिर हवाई हमला किया गया है। अफगानिस्तान का कहना है कि इस हमले में नौ आम नागरिक मारे गए हैं और 11 घायल हो गए हैं। वहीं पाकिस्तानी सेना का कहना है कि उन्होंने दो जगहों पर आतंकी ठिकाने को निशाना बनाया है। पाकिस्तानी सेना का दावा है कि 22 आतंकी मारे गए हैं। पाकिस्तान ने इस कार्रवाही को सीमा पार मौजूद चरमपंथियों के ठिकानों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा बताया। लेकिन पाकिस्तान की ओर से की गई इस कार्रवाही से तालिबान तिलमिला गया है और उसने पाकिस्तान को सीधी धमकी दे दी है। तालिबान के बॉर्डर और ट्राइबल अफेयर्स मंत्री नूरुल्ला नूरी ने पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसियों को अफगानिस्तान का इतिहास याद रखने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान अफगान लोगों के सब्र का इम्तिहान ना ले। तनाव के बीच नूरी ने यहां तक दावा किया है कि अगर अफगानिस्तान चाहे तो 2 दिन में पेशावर में अफगान झंडा फहराया जा सकता है। नूरी का यह बयान ऐसे वक्त पर आया है जब पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। हाल के दिनों में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कई इलाकों में हवाई हमले किए हैं। गुरुवार की सुबह भी पाकिस्तान ने हमला किया। इस्लामाबाद का कहना है कि उसने आतंकियों और

तालिबान का ऐलान, पाकिस्तान हुआ परेशान



ड्रोन हमलों से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया। वहीं काबुल इन हमलों को अपनी जमीन पर हमला बता रहा है। नूरुल्लाह ने पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी काबुल में एक सभा को संबोधित करते हुए जारी की है। उन्होंने पाकिस्तान के मिलिट्री और इंटेलिजेंस को अफगानिस्तान के इतिहास, राजनीति और वहां के हालात को समझने की सलाह दी है। उन्होंने सोवियत संघ और अमेरिका का उदाहरण देते हुए कहा कि बड़ी सैन्य ताकत होने के बावजूद दोनों देश अफगानिस्तान में अपने मकसद हासिल नहीं कर सके हैं। नूरी का इशारा साफ तौर पर पाकिस्तान की ओर था। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान और उसके लोगों को कम आंकना पाकिस्तान के लिए भारी पड़ सकता है। उनका आरोप था कि पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसियां अफगानों के धैर्य की परीक्षा ले रही हैं।

उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान अपने पड़ोसियों से विवाद नहीं चाहता है लेकिन अगर उसे धमकी दी गई तो वो जवाब देगा। इससे पहले अफगानिस्तान के कुनार और हेलमंद प्रांतों में पाकिस्तानी सेना के हवाई हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम नौ नागरिकों की मौत हो गई और 11 घायल हो गए थे। तालीबान के प्रवक्ता जबी उल्लाह मुजाहिद ने गुरुवार को हमले की जानकारी देते हुए बताया कि हमले में आम लोगों के घरों को निशाना बनाया गया। मुजाहिद ने इसे आक्रामक कारवाई बताते हुए इसकी निंदा की। जबी उल्लाह मुजाहिद ने कहा कि हमला बुधवार रात कुनार के सुल्तान जिले के चुगा इलाके और हेलमंद के गर्म शेर जिले के सफर इलाके में किया गया। उनके मुताबिक हमले में नागरिक मारे गए और घायल हुए जबकि तीन घर तबाह हो गए। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच करीब 2600 कि.मी. लंबी सीमा है। जिसे लेकर दोनों देशों में लंबे समय से विवाद चल रहा है।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें
7415685293
9589490996
9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

शहर के प्रमुख मार्गों पर खुलेआम शराबखोरी से बढ़ी परेशानी



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर के प्रमुख मार्गों, शराब दुकानों के आसपास और सार्वजनिक स्थानों पर खुलेआम शराबखोरी का सिलसिला एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है। अधिकांश अहाते बंद होने के बाद इसका असर अब सड़कों, गार्डन, खाली प्लॉट और सार्वजनिक मैदानों में दिखाई दे रहा है। शाम होते ही शराब दुकानों के आसपास बाइक और लग्जरी कारों में युवाओं के समूह बैठकर शराब पीते नजर आते हैं। नशे में कई लोग इस बात की भी परवाह नहीं करते कि वहां से महिलाएं, युवतियां और बच्चे गुजर रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार शराब दुकानों के आसपास देर शाम से ही लोगों का जमावड़ा शुरू हो जाता है। कई लोग वाहन खड़े कर खुले में शराब पीते हैं और इसके बाद काफी देर तक वहीं बैठे रहते हैं। रात में रूटीन सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस वाहन गुजरते हैं तो कुछ लोग तत्काल वहां से हट जाते हैं, लेकिन पुलिस वाहन के निकलने के बाद फिर से जमावड़ा लगने की शिकायत है। सड़क पर खुलेआम शराबखोरी रोकने के लिए पुलिस, प्रशासन और नगर निगम की ओर से कई बार योजनाएं बनाए जाने की बात सामने आती रही है। इसके बावजूद स्थानीय लोगों का कहना है कि जमीन पर इसका असर नजर नहीं आ रहा है। शराब दुकानों के आसपास शाम के समय चखना बेचने वाले ठेले भी लग जाते हैं। इससे कई स्थानों पर सड़क किनारे वाहन खड़े होने और भीड़ बढ़ने से जाम की स्थिति बनती है। कॉलोनियों के अंदर सार्वजनिक मैदानों और खाली पड़े प्लॉटों में भी शराब पीने वालों के बैठने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इन स्थानों पर देर रात तक लोग शराब पीते रहते हैं। इससे आसपास रहने वाले परिवारों को परेशानी होती है और सार्वजनिक स्थानों के माहौल पर भी असर पड़ता है। शराब दुकानों के संचालन के समय को लेकर जारी आदेशों के बावजूद दुकानों के आसपास काफी दूरी तक देर रात तक शराब पीने वालों का जमावड़ा बना रहने की शिकायत है। स्थानीय लोगों के अनुसार कई स्थानों पर शराब दुकान से करीब 500 मीटर के दायरे तक सड़क किनारे और आसपास के खुले स्थानों में लोग बैठकर शराब पीते हैं। इससे राहगीरों को रास्ते से गुजरने में परेशानी होती है। शाम के समय कोचिंग आने-जाने वाली छात्राओं और युवतियों को भी कई स्थानों पर परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शराब के नशे में बैठे कुछ लोग वहां से गुजरने वाली छात्राओं और युवतियों पर छींटाकशी करते हैं। ऐसे में कई छात्राएं कोचिंग से घर लौटते समय शराब दुकानों के आसपास के रास्तों से बचने का प्रयास करती हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर खुलेआम शराबखोरी की जानकारी पुलिस और संबंधित विभागों को रहती है। इसके बावजूद नियमित और प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से समस्या बनी हुई है। लोगों का कहना है कि शराब दुकानों के आसपास अनधिकृत रूप से लगने वाले चखना ठेलों, सड़क पर खड़े वाहनों और खुले में शराब पीने वालों के खिलाफ एक साथ कार्रवाई की जाए तो स्थिति में सुधार हो सकता है। शहर के कई प्रमुख इलाकों में ऐसी स्थिति की शिकायतें सामने आ रही हैं। विजय नगर थाना क्षेत्र में एमआर-4 रोड, दीनदयाल चौक से एसबीआई चौक की ओर जाने वाले दोनों मार्ग, रानीताल चौक से बलदेवबाग, चेरीताल, घमापुर, रांझी, महानद्दा, मदनमहल चौराहा, धनवंतरी नगर चौराहा, अधारताल, बंदरिया तिराहा, मढ़ाताल थाना क्षेत्र के कटंगी मार्ग, मालवीय चौक और उखरी क्षेत्र में सड़क किनारे शराबखोरी की शिकायतें बताई गई हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस, प्रशासन और नगर निगम से इन स्थानों पर नियमित निगरानी और कार्रवाई की मांग की है।

17 मंजिला इमारत के सामने कचरे का अघोषित डंपिंग जोन, दुर्गंध से लोग परेशान



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर की चर्चित 17 मंजिला इमारत के सामने इन दिनों स्वच्छता व्यवस्था की स्थिति सवालों के घेरे में है। विजय नगर स्थित परोहा डेवलपर्स की विजन जबलपुर बिल्डिंग के सामने बड़ी मात्रा में कचरा और निर्माण मलबा जमा है। सड़क किनारे कचरे का ढेर लगा होने से यह स्थान मानो अघोषित डंपिंग जोन में तब्दील हो गया है। प्रमुख क्षेत्र में इस तरह खुले में कचरा पड़ा होने से आसपास के लोगों में नाराजगी है। सड़क किनारे फैले कचरे और जगह-जगह जमा निर्माण मलबे के कारण क्षेत्र का स्वरूप भी प्रभावित हो रहा है। कचरे के ढेर से लगातार दुर्गंध उठने की शिकायत स्थानीय लोग कर रहे हैं। सुबह के समय यहां से गुजरने वाले लोगों और सैर के लिए निकलने वाले नागरिकों को कचरे के बीच से होकर निकलना पड़ रहा है। इससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि खुले में कचरा पड़ा रहने के कारण आसपास का वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। सड़क के किनारे कचरा और मलबा जमा होने से आने-जाने वाले लोगों को असुविधा होती है। सुबह के समय जब बड़ी संख्या में लोग घूमने के लिए निकलते हैं, तब दुर्गंध के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। मौके पर कचरे की स्थिति को देखकर नियमित सफाई व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि यहां राहगीरों या आसपास के लोगों द्वारा लगातार कचरा फेंका जा रहा है तो उसे रोकने के लिए निगरानी और कार्रवाई की व्यवस्था होनी चाहिए। वहीं यदि सड़क किनारे जमा मलबा निर्माण कार्य से संबंधित है तो उसे निर्धारित स्थान पर हटाने की कार्रवाई की जानी चाहिए। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि शहर में स्वच्छता को लेकर नगर निगम की ओर से लगातार अभियान चलाए जाते हैं। इसके बावजूद शहर के प्रमुख और व्यस्त क्षेत्र में 17 मंजिला इमारत के सामने कचरे का ढेर जमा होना व्यवस्था की जमीनी स्थिति पर सवाल खड़े करता है। लोगों का कहना है कि सफाई के साथ-साथ कचरा दोबारा जमा न हो, इसके लिए भी स्थायी व्यवस्था जरूरी है। सुबह की सैर पर निकलने वाले नागरिकों का कहना है कि वे खुले और स्वच्छ वातावरण में घूमने के लिए निकलते हैं, लेकिन सड़क किनारे कचरे का ढेर और उससे उठने वाली दुर्गंध परेशानी का कारण बन रही है। लंबे समय तक कचरा जमा रहने से स्थिति और खराब होने की आशंका है। लोगों ने जल्द सफाई कराने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल कचरा उठाने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। जिस स्थान पर बार-बार कचरा जमा हो रहा है, वहां नियमित निगरानी की जरूरत है। साथ ही निर्माण मलबा खुले में डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, ताकि सड़क किनारे दोबारा मलबे और कचरे का ढेर न लगे। लोगों ने नगर निगम से तत्काल मौके का निरीक्षण कर कचरा और निर्माण मलबा हटाने की मांग की है। साथ ही दोबारा कचरा फेंकने पर रोक लगाने के लिए निगरानी और आवश्यक कार्रवाई की व्यवस्था करने की मांग की गई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रमुख सड़क और चर्चित इमारत के सामने बने इस अघोषित डंपिंग जोन को जल्द साफ कर स्थायी समाधान किया जाना चाहिए।

सीढ़ियों से गिरने से युवक की मौत, पुलिस ने मर्ग किया कायम

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। गोरखपुर थाना क्षेत्र के रामपुर छापर में तड़के सीढ़ियों से गिरने के बाद एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान राकेश पटेल के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजन उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार राकेश का शव घर में सीढ़ियों के नीचे मिला था। उसके शरीर पर चोट के निशान भी पाए गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जानकारी जुटाई। परिजन युवक को तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल अस्पताल भेज दिया। गोरखपुर थाना प्रभारी नितिन कमल के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि राकेश को शराब पीने की आदत थी। इसके अलावा वह हार्ट और शुगर की बीमारी से भी पीड़ित बताया गया है। पुलिस के अनुसार घटना तड़के उस समय हुई, जब राकेश टॉयलेट जाने के लिए उठा था। प्रारंभिक आशंका है कि सीढ़ियों से उतरते समय उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गया। गिरने से उसे गंभीर चोटें आईं। सीढ़ियों से गिरने के बाद राकेश नीचे पड़ा मिला। शरीर पर चोट के निशान होने के कारण पुलिस ने घटनास्थल की जानकारी जुटाई और परिजनों से पूछताछ की। फिलहाल घटना को दुर्घटना के रूप में देखा जा रहा है।

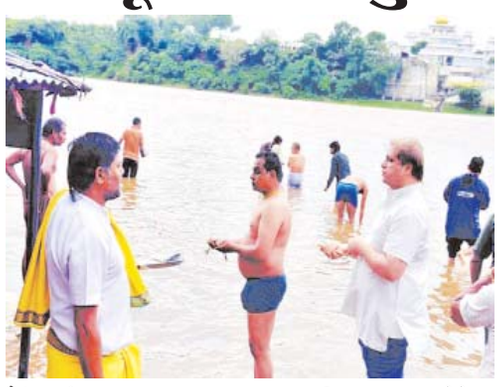
मानसून की विदाई के साथ बदला मौसम का मिजाज, दिन में उमस और शाम को तेज हवाएं

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मानसून की विदाई के साथ मौसम का मिजाज भी करवट लेने लगा है। इस बार सीजन में हुई वर्षा का आंकड़ा करीब 33.2 इंच पर सिमट गया है, जो संभाग की औसत वर्षा से काफी कम है। पिछले कुछ दिनों से संभाग में बारिश का दौर थमा हुआ है और इसके साथ ही मौसम में भी बदलाव दिखाई देने लगा है। बारिश थमने के बाद दिन में धूप को खुलकर खिलने का मौका मिल रहा है। आसमान में हल्के बादल मौजूद रहने के बावजूद चटख धूप निकल रही है। इसके कारण दिन के समय उमस भरी गर्मी से लोगों को परेशानी हो रही है। दोपहर के समय गर्मी का असर अधिक महसूस किया जा रहा है। शाम होते ही मौसम का मिजाज अचानक बदल जाता है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज और झोंकेदार हवाएं चलने की स्थिति बन रही है। दिन की गर्मी और शाम की तेज हवा के बीच मौसम में लगातार बदलाव का असर



आम लोगों की दिनचर्या पर भी पड़ रहा है। मौसम के इस बदलाव का असर लोगों की सेहत पर भी दिखाई दे रहा है। दिन में गर्मी और उमस के बाद शाम को तेज हवाएं चलने से तापमान में अचानक बदलाव महसूस होता है। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल मौसम का मिजाज इसी तरह बने रहने की संभावना है और आने वाले दिनों में भी मौसम में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। इस दौरान दिन के तापमान में एक से दो डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है, जबकि रात के तापमान में करीब एक डिग्री की गिरावट हो रही है। इसके कारण रात के समय लोगों को दिन की तुलना में कुछ राहत महसूस हो रही है। सुबह और देर शाम के समय मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहने लगा है। मानसून की विदाई के बाद सामान्य तौर पर शुरूआती करीब एक पखवाड़े तक तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाती है। इसके बाद दूसरे पखवाड़े में हवा की दिशा में बदलाव के साथ मौसम में धीरे-धीरे हल्की ठंडक घुलने लगती है। इस दौरान सुबह सूर्योदय से पहले और शाम को सूर्यास्त के बाद ठंड का हल्का अहसास शुरू हो जाता है। मानसून की विदाई आमतौर पर सितंबर तक मानी जाती है। इसके बाद होने वाली बारिश को सामान्य मानसूनी बारिश के बजाय बेमौसम बारिश के तौर पर दर्ज किया जाता है। अक्टूबर का महीना मौसम के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इस दौरान एक ऋतु से दूसरी ऋतु में बदलाव की प्रक्रिया शुरू होती है।

घर-घर हो रहा पितरों का तर्पण, श्राद्ध में पूर्वजों के पुण्य स्मरण की परंपरा



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। पितृपक्ष शुरू होते ही नर्मदा के विभिन्न तटों, शहर के जलाशयों और घर-घर दिवंगत परिजनों का श्रद्धाभाव से स्मरण किया जा रहा है। लोग अपने पूर्वजों को जलांजलि देकर उनके प्रति श्रद्धा और सम्मान व्यक्त कर रहे हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृपक्ष में पूर्वजों का स्मरण और श्राद्ध कर्म करने से परिवार को उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। विष्णु पुराण में वर्णित मान्यता के अनुसार पितृपक्ष के दौरान पूर्वज पृथ्वीलोक में आते हैं और परिवार के लोगों द्वारा किए गए आदर-सम्मान तथा श्राद्ध कर्म से प्रसन्न होकर सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। इसी धार्मिक मान्यता के चलते पितृपक्ष में लोग अपने दिवंगत परिजनों की तिथि के अनुसार श्राद्ध और तर्पण करते हैं। 15 दिवसीय पितृपक्ष में मंगलवार को तृतीया तिथि थी। इस दौरान उन दिवंगत परिजनों का श्राद्ध कर्म किया गया, जिनका निधन तृतीया तिथि को हुआ था। पितृपक्ष की चतुर्थी तिथि पर भी श्रद्धालुओं ने अपने पूर्वजों के निमित्त तर्पण और अन्य धार्मिक कर्म किए। धार्मिक मान्यताओं में पिंडदान को भी पितरों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम माना गया है। गरुड़ पुराण में पितृपक्ष के दौरान पिंडदान करने का उल्लेख मिलता है। मान्यता है कि पिंडदान और तर्पण से देवताओं तथा पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इसी कारण पितृपक्ष के दौरान नर्मदा तटों और अन्य धार्मिक स्थलों पर लोग अपने पूर्वजों के निमित्त कर्मकांड करते हैं। श्राद्ध कर्म के दौरान पूर्वजों की पसंद के भोजन तैयार करने की भी परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कद्दू की सब्जी, दाल, भात, पूरी और खीर सहित विभिन्न व्यंजन बनाकर पहले पितरों को समर्पित किए जाते हैं। इसके बाद भोजन का कुछ हिस्सा गाय, कुत्ते, कौवे और चीटियों के लिए निकालने की परंपरा भी निभाई जाती है।

भैंसासुर चौथा पुल मार्ग पर गहरे गड्ढे और कीचड़ से बढ़ी परेशानी, दो कारें फंसीं



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर के सदर और बिलहरी क्षेत्र को जोड़ने वाला भैंसासुर चौथा पुल मार्ग इन दिनों बदहाली का शिकार है। सड़क को कुछ दिन पहले निर्माण कार्य के लिए खोदा गया था, लेकिन काम बीच में ही रुक जाने से अब पूरा मार्ग गड्ढों और कीचड़ में तब्दील हो गया है। पिछले दो दिनों की बारिश के बाद स्थिति और खराब हो गई है। सड़क पर जगह-जगह पानी भरा होने के कारण वाहन चालकों को गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लग पा रहा है और आवागमन जोखिम भरा हो गया है। सड़क की खुदाई के समय स्थानीय लोगों को उम्मीद थी कि निर्माण कार्य तेजी से पूरा होगा और उन्हें बेहतर सड़क की सुविधा मिलेगी। इसके विपरीत काम रुक जाने से समस्या पहले से ज्यादा बढ़ गई है। मार्ग के एक हिस्से में खुदाई होने के कारण सड़क की चौड़ाई कम हो गई है, जबकि बचे हुए हिस्से में भी कई जगह गहरे गड्ढे बने हुए हैं। बारिश का पानी भरने से सड़क पर कीचड़ फैल गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक सोमवार को मार्ग से गुजर रहीं दो कारें गड्ढों और कीचड़ में फंस गईं। कारों को निकालने के लिए आसपास के लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। वाहन चालकों का कहना है कि सड़क की मौजूदा हालत के कारण खासकर छोटे वाहनों और दोपहिया चालकों को अधिक परेशानी हो रही है। गड्ढों में पानी भरा होने से वाहन चालकों को यह समझना मुश्किल हो जाता है कि आगे सड़क कितनी गहरी और खराब है। इस मार्ग की बदहाली के साथ सबसे बड़ी चिंता सुरक्षा इंतजामों को लेकर है। सड़क खोदे जाने के बावजूद मौके पर पर्याप्त बैरिकेडिंग नहीं की गई है। इसके अलावा वाहन चालकों को सावधान करने के लिए चेतावनी संकेत भी नहीं लगाए गए हैं। दिन के समय तो किसी तरह वाहन चालक स्थिति देखकर निकल जाते हैं, लेकिन रात में अंधेरे के कारण गड्ढे और खुदाई वाला हिस्सा दिखाई नहीं देने से हादसे का खतरा बढ़ जाता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मार्ग पर यातायात सामान्य रूप से जारी है, जबकि सड़क की स्थिति सामान्य आवागमन के अनुकूल नहीं है। सदर और बिलहरी क्षेत्र को जोड़ने वाले इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं। सड़क पर कीचड़ और पानी जमा होने से वाहन चालकों को धीमी गति से निकलना पड़ रहा है, जिससे कई स्थानों पर यातायात भी प्रभावित हो रहा है। सड़क निर्माण कार्य बंद होने को लेकर स्थानीय लोगों ने मौके पर काम कर रहे जेसीबी ठेकेदार से जानकारी लेने की कोशिश की। बताया गया कि ठेकेदार ने गिट्टी की कीमत बढ़ने और रॉयल्टी के दाम बढ़ने का हवाला दिया। उसके अनुसार बढ़ी हुई लागत के कारण सड़क को ठीक तरह से समतल करने का काम प्रभावित हुआ है। हालांकि, निर्माण कार्य कब दोबारा शुरू होगा और कब तक पूरा होगा, इसे लेकर स्थानीय लोगों को स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य शुरू करने से पहले यदि सड़क की स्थिति को देखते हुए यातायात के लिए वैकल्पिक व्यवस्था या पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए जाते तो परेशानी कुछ कम हो सकती थी। फिलहाल सड़क पर खुदाई, गड्ढे और कीचड़ के बीच यातायात जारी रहने से हर समय दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। बारिश होने पर स्थिति और बिगड़ने की संभावना है।

रांझी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

112 पेटियों से 96 बोतल और 5180 पाव अंग्रेजी व देशी शराब जब्त कीमत 5 लाख 32 हजार 580 रुपये

अवैध शराब के ठिकानों पर एक साथ दबिश दो आरोपी गिरफ्तार



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। अवैध शराब के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए रांझी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से तीन अलग अलग स्थानों पर दबिश देकर भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की। कार्रवाई के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया जबकि मुख्य आरोपी रवि उर्फ बल्लू पटवा की तलाश जारी है। पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना तिवारी और नगर पुलिस अधीक्षक सतीश कुमार साहू के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रांझी उमेश कुमार गोल्हानी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। मुखबिर से मिली सूचना के बाद पुलिस ने बिना समय गंवाए तीन अलग अलग टीमों का गठन किया और गांधी व्यायाम शाला क्षेत्र में बताए गए स्थानों पर एक साथ दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस को अलग अलग किराए के मकानों और कमरों में बड़ी मात्रा में शराब छिपाकर रखे जाने की जानकारी मिली। पहली कार्रवाई में महेश यादव के मकान से 47 कार्टून में 2350 पाव देशी शराब तथा 8 कार्टून में 96 बोतल 8 पीएम विस्की अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पूछताछ में महेश यादव ने बताया कि यह शराब रवि उर्फ बल्लू पटवा की है और उसने कमरा शराब रखने के लिए दो हजार रुपये महीने के किराए पर लिया था। पुलिस ने यहां से कुल 495 लीटर शराब जब्त की जिसकी कीमत लगभग 2 लाख 50 हजार 660 रुपये बताई गई है। दूसरी टीम ने गांधी व्यायाम शाला स्थित माया चौबे के मकान के ऊपर बने कमरे में दबिश दी। यहां 40 कार्टून में 2000 पाव देशी शराब बरामद हुई जिसकी कीमत लगभग 1 लाख 84 हजार रुपये है। मकान मालिक माया चौबे ने पुलिस को बताया कि रवि उर्फ बल्लू पटवा ने कमरा तीन हजार रुपये महीने के किराए पर लिया था। तीसरी टीम ने हेरी सवास्टीन के मकान में कार्रवाई की। यहां जॉनी एंथोनी मौके पर मिला। तलाशी के दौरान 14 कार्टून में 700 पाव तथा एक कार्टून में 30 पाव बॉम्बे रम और दो कार्टून में 100 पाव देशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने कुल 730 पाव अंग्रेजी शराब और 100 पाव देशी शराब जब्त की जिसकी कीमत लगभग 98 हजार 120 रुपये बताई गई है। पुलिस के मुताबिक तीनों स्थानों से कुल 112 पेटियों में 96 बोतल अंग्रेजी शराब तथा 5180 पाव देशी और अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। जब्त शराब की कुल कीमत लगभग 5 लाख 32 हजार 580 रुपये बताई गई है। पुलिस ने मामले में महेश यादव और जॉनी एंथोनी को गिरफ्तार करते हुए रवि उर्फ बल्लू पटवा के खिलाफ भी आबकारी अधिनियम की धारा 34 2 के तहत कार्रवाई की है। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस टीम लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रांझी उमेश कुमार गोल्हानी की सक्रिय निगरानी और टीम को तेजी से संगठित कर कार्रवाई को अंजाम तक पहुंचाने की भूमिका उल्लेखनीय रही। मुखबिर की सूचना पर तीन टीमों को अलग अलग स्थानों पर भेजकर एक साथ कार्रवाई करना पुलिस की रणनीतिक तैयारी को दशार्ता है। कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक गनपत मसराम मनीष कुमार जाटव सुभाष चंद बागरी प्रधान आरक्षक पुरुषोत्तम अहिरवार चंद्रभान सिंह हरिओम विनोद सिंह आरक्षक रवि पंचेश्वर अभिषेक मिश्रा मनीष अहिरवार राहुल मलगाम दिनेश भावरे राहुल दुबे हरिशंकर चेतेन्द्र और आलोक की सराहनीय भूमिका रही।

13 साल बाद रत्नेश कुमार सिंह को मिली पुलिस में नियुक्ति, हाईकोर्ट के आदेश का हुआ पालन

अवमानना प्रकरण में हाईकोर्ट की सख्ती के बाद मिली नियुक्ति



दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा वर्ष 2013 से जुड़े जिला अनूपपुर के जमुना कॉलरी निवासी रत्नेश कुमार सिंह को करीब 13 वर्ष बाद पुलिस विभाग में नियुक्ति मिल गई। नियुक्ति निरस्त किए जाने के बाद शुरू हुई लंबी कानूनी लड़ाई में हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन को लेकर अवमानना की कार्यवाही भी चली। न्यायालय की सख्ती और लगातार सुनवाई के बाद अंततः 30 सितंबर 2026 को रत्नेश कुमार सिंह को पुलिस विभाग में नियुक्ति प्रदान कर दी गई। प्रकरण के अनुसार, वर्ष 2013 में आयोजित पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा के बाद रत्नेश कुमार सिंह की नियुक्ति आपराधिक प्रकरण के आधार पर निरस्त कर दी गई थी। नियुक्ति निरस्तीकरण से प्रभावित होकर रत्नेश कुमार सिंह ने अपने अधिकारों के लिए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट, जबलपुर की शरण ली। मामले की सुनवाई के बाद 10 जनवरी 2025 को हाईकोर्ट द्वारा रत्नेश कुमार सिंह को पुलिस विभाग में समस्त लाभों के साथ पदस्थ किए जाने का आदेश पारित किया गया था। हालांकि, उक्त आदेश के अपेक्षित रूप से अनुपालन नहीं होने पर मामले में अवमानना की कार्यवाही प्रारंभ हुई। अवमानना प्रकरण उडठउ ठङ्क. 4146/2025, रत्नेश कुमार सिंह बनाम कैलाश मकवाना एवं अन्य में 8 सितंबर 2026 को न्यायमूर्ति विवेक जैन की एकलपीठ के समक्ष सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अभिषेक पांडे ने न्यायालय के समक्ष पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारी की व्यक्तिगत उपस्थिति के निर्देश दिए और आदेश के अनुपालन की स्थिति स्पष्ट करने को कहा। हाईकोर्ट में लगातार हुई सुनवाई और आदेश के अनुपालन को लेकर न्यायालय द्वारा दिखाई गई सख्ती के बाद पुलिस विभाग की ओर से कार्रवाई की गई। अंततः 30 सितंबर 2026 को रत्नेश कुमार सिंह को पुलिस विभाग में नियुक्ति प्रदान कर दी गई। इस प्रकार वर्ष 2013 की पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा से शुरू हुआ नियुक्ति विवाद करीब 13 वर्षों की न्यायिक प्रक्रिया के बाद नियुक्ति मिलने के साथ महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंचा। रत्नेश कुमार सिंह की ओर से मामले में अधिवक्ता अभिषेक पांडे, जबलपुर हाईकोर्ट ने पैरवी की।



कार ने बाइक को मारी टक्कर, दो युवकों की हुई मौत, गुस्साए लोगों ने हाइवे किया जाम, पुलिस ने खुलवाया जाम

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। सोहागपुर थाना क्षेत्र में एनएच-43 पर धुरवार तिराहे के पास भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार कार ने सामने से बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे युवक ने मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही सोहागपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार बाइक सवार आसपास के गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। हालांकि, हादसे के बाद दोनों घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया था, जहां उपचार के दौरान दूसरे युवक की भी मौत हो गई। दो लोगों की मौत की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। आक्रोशित लोगों ने शहडोल-बुढ़ार मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। इससे हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। करीब दो किलोमीटर तक वाहन फंसे रहे, जिससे राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम की सूचना मिलते ही सोहागपुर पुलिस के साथ यातायात प्रभारी और यातायात कर्मी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों और ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें समझाया। इसके बाद जाम खुलवाया गया और मार्ग पर यातायात व्यवस्था दोबारा सुचारू कराई गई। पुलिस ने हादसे की परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है। टक्कर मारने वाली कार और हादसे के कारणों को लेकर भी पुलिस जानकारी जुटा रही है।

अज्ञात कारणों से घर में महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस ने जांच की शुरू



दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। थाना अमरकंटक क्षेत्र के ग्राम नोनघटी में एक 30 वर्षीय महिला ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरकंटक भेजा। जानकारी के अनुसार धनेश्वरी बाई पत्नी मानसिंह, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम नोनघटी ने अपने घर के अंदर दरवाजा बंद कर साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। घटना के समय उसका छह वर्षीय पुत्र स्कूल गया हुआ था। शाम को जब बच्चा स्कूल से घर लौटा तो उसने दरवाजा अंदर से बंद पाया। इसके बाद बच्चे ने अपने बड़े मम्मी-पापा को दरवाजा बंद होने की जानकारी दी। परिजनों ने दरवाजा तोड़कर अंदर देखा तो धनेश्वरी बाई फांसी के फंदे पर लटकी मिली। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। बताया गया कि मृतिका का पति मानसिंह काम के सिलसिले में केरल गया हुआ है। ससुर अमृत सिंह की रिपोर्ट पर थाना अमरकंटक पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है। मृतिका का पोस्टमार्टम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरकंटक में कराया गया। परिजनों के अनुसार मृतिका का मानसिक संतुलन ठीक नहीं रहता था। पुलिस द्वारा मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

लंबे इंतजार के बाद खुला पर्यटकों के लिए बांधवगढ़ का द्वार, पहले दिन बाघिन के दीदार से पर्यटकों में उत्साह

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। तीन माह के मानसून ब्रेक के बाद विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में नए पर्यटन सत्र की शुरूआत उत्साहपूर्ण माहौल में हुई। इसके साथ ही टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में जंगल सफारी पुनः प्रारंभ हो गई। पर्यटन सत्र के पहले दिन ताला, मगधी और खितौली गेट को आकर्षक ढंग से सजाया गया। पार्क प्रबंधन एवं वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने पर्यटकों का पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया। गेट खोलने से पहले विधिवत पूजा-अर्चना कर वन्यजीवों की सुरक्षा एवं पर्यटन सत्र के सफल संचालन की कामना की गई। ताला गेट से पार्क में प्रवेश करने वाले पर्यटकों के लिए पहला दिन ही यादगार बन गया। सिद्ध बाबा क्षेत्र के पास पर्यटकों को



एक बाघिन के दीदार हुए। बाघिन को अपने प्राकृतिक परिवेश में विचरण करते देख पर्यटक रोमांचित हो उठे। सफारी वाहनों में सवार पर्यटकों ने बाघिन की गतिविधियों को काफी देर तक देखा और इस खास पल को कैमरों में कैद किया। नए पर्यटन सत्र के पहले ही दिन बाघिन के दीदार से पर्यटकों का उत्साह और बढ़ गया। कोर क्षेत्र में पर्यटन 30 जून तक संचालित होगा, जबकि बफर क्षेत्र में पर्यटन वर्षभर जारी रहता है। पर्यटकों के स्वागत के लिए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। निर्धारित समय पर तीनों प्रमुख गेटों से पर्यटकों के प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हुई। प्रवेश द्वारों को फूलों एवं अन्य सजावटी सामग्री से सजाया गया था। पर्यटकों को पार्क के नियमों का पालन करने तथा वन्यजीवों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की जानकारी भी दी गई। क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय ने बताया कि सफारी के लिए सभी तैयारियां पूरी हैं। जंगली हाथियों की आवाजाही के बावजूद सफारी जारी रहेगी। पर्यटकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गाइड एवं वाहन चालकों को प्रशिक्षण दिया गया है। नए पर्यटन सत्र में वन्यजीव संरक्षण और पर्यटकों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है।

वृक्षारोपण की शुरूवात कराकर हरित महाअभियान संपन्न सफाई मित्रों को सम्मानित कर किया गया ड्रेस वितरण

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'संकल्प सेवा अभियान' के अंतर्गत 02 अक्टूबर को निकाय के द्वारा मुख्य दुर्गा पूजा प्रांगण /व्हालीवाल ग्राउण्ड परिसर में 'हरित महाअभियान' का गरिमामय आयोजन किया गया,इस विशेष अवसर पर परिषद के गणमान्य जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों और नगरवासियों की गरिमामयी उपस्थिति में ग्राऊंड परिसर को हरा-भरा बनाने के लिए वृक्षारोपण किया गया। इसके साथ ही,नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में अपना अमूल्य योगदान देने वाले कर्मठ स्वच्छता मित्रों को निकाय सभाकक्ष में ड्रेस का वितरण करके उनको सम्मानित किया गया।



कार्यक्रम मुख्य नगर पालिका अधिकारी शरद गौतम एवं निकाय अध्यक्ष व जिला योजना समिति सदस्य डॉ.सुनील कुमार चौरसिया के मार्गदर्शन एवं सहायक राजस्व निरीक्षक कमलेश त्रिपाठी,सभापति रवि सिंह,पार्षद सरिता यादव,एल्डरमैन ममता पात्रो,भाजपा महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष संगीता साहू,पार्षद पति डॉ.योगेश पालीवाल व अन्य जनप्रतिनिधियों सामाजिक कार्यकताओं एवम कार्मिको की उपस्थित में सम्पन्न हुआ। ड्रेस वितरण एवं सफाई मित्र सम्मान समारोह कार्यक्रम में उपस्थित सफाई मित्रों को संबोधित करते हुए निकाय अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार चौरसिया ने कहा कि "संकल्प ही सेवा अभियान का मुख्य उद्देश्य न केवल हमारे नगर को कचरा मुक्त और स्वच्छ रखना है,बल्कि व्यापक स्तर पर पौधारोपण कर पर्यावरण को सुरक्षित और भावी पीढ़ी के लिए रहने योग्य बनाना भी है। स्वच्छता मित्रों को ड्रेस वितरण करते हुए डॉ. चौरसिया ने उनके कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए उन सभी को सम्मानित भी किया और उन्हें नगर की 'रीढ़ की हड्डी' की संज्ञा दी।



बिजली का खंबा डूबा पानी में, ट्रांसफार्मर व विद्युत बॉक्स से कभी भी फैल सकता है करंट, हो सकता है हादसा

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। माई बगिया उत्तर तट परिक्रमा मार्ग में स्थित गायत्री सरोवर के किनारे बारिश के चलते जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है। सरोवर के आसपास सड़क पर पानी भर जाने से विद्युत पोल पर लगे ट्रांसफार्मर तथा उसके नीचे स्थापित विद्युत बॉक्स भी पानी के संपर्क में आ रहे हैं। ऐसी स्थिति में विद्युत उपकरणों से पानी में करंट प्रवाहित होने की आशंका बनी हुई है, जिससे किसी भी समय गंभीर हादसा हो सकता है। गायत्री सरोवर का उपयोग स्थानीय लोगों के साथ श्रद्धालुओं द्वारा भी किया जाता है। सरोवर के पानी का उपयोग लोग कपड़े धोने, मवेशियों को पानी पिलाने सहित अन्य घरेलू कार्यों में करते हैं। इसके अलावा कुछ लोग यहां अपने वाहनों को भी धोते हैं। ऐसे में यदि विद्युत उपकरणों से पानी में करंट का रिसाव होता है तो पानी के संपर्क में आने वाले लोगों और मवेशियों के लिए जानलेवा स्थिति उत्पन्न हो सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के दौरान सरोवर के आसपास जलस्तर बढ़ने से विद्युत ट्रांसफार्मर और विद्युत बॉक्स के आसपास पानी जमा हो जाता है। विद्युत उपकरणों और पानी के बीच सुरक्षा दूरी नहीं होने से खतरा और बढ़ जाता है। विशेष रूप से बच्चों, राहगीरों, श्रद्धालुओं और मवेशियों के यहां पहुंचने के कारण किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी रहती है। लोगों ने विद्युत विभाग से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए मौके का तत्काल निरीक्षण कराया जाए। पानी के संपर्क में आ रहे ट्रांसफार्मर एवं विद्युत बॉक्स को सुरक्षित ऊंचाई पर स्थापित कराया जाए।

न्याय यात्रा निकालकर अतिथि शिक्षकों ने किया प्रदर्शन, महापंचायत में किए वादों को पूरा करने की मांग, सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। गांधी जयंती के अवसर पर शुक्रवार को अतिथि शिक्षक संघ अनूपपुर के बैनर तले जिलेभर के अतिथि शिक्षकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर न्याय यात्रा निकालकर जोरदार प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट विद्यालय मैदान से शुरू हुई न्याय यात्रा में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ों अतिथि शिक्षक शामिल हुए। हाथों में मांगों से जुड़े संदेश और नारों के साथ अतिथि शिक्षकों ने शासन से महापंचायत में किए गए वादों को पूरा करने की मांग उठाई। न्याय यात्रा उत्कृष्ट विद्यालय मैदान से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंची। इस दौरान अतिथि शिक्षकों



ने एकजुट होकर अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के दौरान शासन द्वारा पूर्व में किए गए वादों को पूरा करने तथा अतिथि शिक्षकों के भविष्य को सुरक्षित करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद अतिथि शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष व प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अतिथि शिक्षकों की छह सूत्रीय मांगों को प्रमुखता से शामिल किया गया। संघ का कहना है कि लंबे समय से अतिथि शिक्षक शिक्षा व्यवस्था में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उनके भविष्य को लेकर अब भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। अतिथि शिक्षकों ने कहा कि सरकार द्वारा महापंचायत के दौरान किए गए वादों से शिक्षकों में उम्मीद जगी थी, लेकिन अब उन वादों को धरातल पर लागू नहीं किया गया है। न्याय यात्रा के माध्यम से शासन को अपने वादे याद दिलाते हुए मांगों के शीघ्र निराकरण की आवाज उठाई गई। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में अतिथि शिक्षकों की मौजूदगी ने संगठन की एकजुटता को सामने रखा। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि मांगों के निराकरण के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रहेगा।



सीजर ऑपरेशन, मुस्कान के आंगन में गूंजी किलकारी

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जरूरतमंद मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसी क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ार में ग्राम सारंगपुर निवासी मुस्कान कुशवाहा का सफल सीजर ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद मुस्कान कुशवाहा ने स्वस्थ पुत्री को जन्म दिया। जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। सफल ऑपरेशन पर मुस्कान कुशवाहा के पति नीलेश कुशवाहा ने शासकीय स्वास्थ्य संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं की सराहना करते हुए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ार में प्रथम सीजर ऑपरेशन को सफल बनाने में मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचिन कारखुर सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

संपादकीय

बेटियों को गोल्ड राशि मिले

कुछ फैसले ऐसे भी होते हैं कि जहां अभिलाषा का समुद्र और गहरा हो जाता है। बेशक एशियन गेम्स ने इस बार हिमाचल के आईने में झांका तो कई मेडल के करीब यहां की प्रतिभा दिखाई दी। यही वजह रही कि हिमाचल सरकार ने अपने पैमाने से 5.33 करोड़ की नकद राशि छह खिलाडि?ों के नाम कर दी। यहां मेडल की निजी भूमिका में अंदाज बदला तो अब आबंटन के मानदंड पर एक बहस शुरू हुई है। मैराथन में सावन बरवाल को 2.50 करोड़, लंबी दौड़ में सीमा कुमारी को 1.50 करोड़ और कबड्डी की चार खिलाड़ियों को करीब 1.33 करोड़ का संयुक्त पुरस्कार मिला है। इस संदर्भ में कबड्डी खिलाड़ियों ने गोल्ड मेडल के पैमाने को इंसाफ से भरने की दुआ मांगी है। तर्क यह है कि एशियन गेम्स के गोल्ड मेडल को चार करोड़ की राशि रखी है, तो इसे रितु नेगी, पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर और भावना ठाकुर के बीच बराबर में बांट दिया जाए। दूसरी ओर भारतीय कबड्डी के जो खिलाड़ी हरियाणा से आती हैं, उन्हें वहां की सरकार तीन-तीन करोड़ की राशि दे रही है। हमें लगता है कि एशियन गेम्स में गोल्ड तक पहुंचने में हिमाचली बेटियों की भागीदारी इतना तो अधिकार रखती है कि उनका अपना प्रदेश सम्मानजनक भविष्य की कामना में न केवल उचित व वांछित राशि प्रदान करे, बल्कि सरकारी नौकरी का तमगा भी पेश करे। इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल पिछले कुछ सालों से खेलों के प्रति उदारता दिखाते हुए खिलाडि?ों की पुरस्कार राशि में निरंतर बढ़ोतरी कर रहा है। खेल वातावरण में सुधार की गुंजाइश से अधोसंरचना निर्माण तथा प्रशिक्षण में भी चमक लाई जा रही है। सर्वप्रथम धूमल सरकार ने प्रशिक्षण में प्रतिबद्धता तथा अधोसंरचना में निखार लाने का प्रयास किया। प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने न केवल 45 के करीब विभिन्न खेलों के लिए कोच नियुक्त किए, बल्कि कारपोरेट जगत की मदद से हमीरपुर व धर्मशाला में सिंथेटिक ट्रैक्स का निर्माण करवाया। यह दीगर है कि हालिया वर्षों में भारतीय खेल प्राधिकरण के धर्मशाला केंद्र में कुछ खेलें मौन या गौण हो गई हैं। प्रदेश को अगर खेलों में और प्रतिभाएं लानी हैं, तो ग्रामीण व स्कूल गेम्स को बढ़ावा देना होगा। आश्चर्य यह कि हिमाचल शिक्षा बोर्ड से संबद्ध कई निजी व सरकारी स्कूलों में खेलों की माकूल व्यवस्था ही नहीं है। इसी तरह राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में शिक्षा का वातावरण मुकम्मल करते-करते खेलें पिछड़ गई। पंजाब के गुरुनानक विश्वविद्यालय का उदाहरण हमारे समक्ष है, जहां हिमाचल के कई प्रतिभावान खिलाड़ी पढ़ाई के बीच अपना जज्बा कायम रखते हैं। गुरुनानक देव विश्वविद्यालय अपने छात्रों के लिए हिमाचल में समर कैंप तथा वाटर स्पोर्ट्स के लिए अभ्यास कराता रहा है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश तथा मंडी विश्वविद्यालय को भी समर कैंप शुरू करने चाहिएं। हिमाचल को खेलों में मुकम्मल जगह बनानी है, तो मणिपुर से सीख लेनी चाहिए। आश्चर्य यह नहीं कि हमारे राजनीतिक नेतृत्व ने कुछ नहीं किया, बल्कि यह जरूर है कि सत्ता बदलते ही परियोजनाएं भी बदल जाती हैं। बतौर खेल मंत्री राकेश पठानिया ने नूरपुर स्पोर्ट्स परिसर को एक महत्त्वाकांक्षी आकार देने की ठानी, लेकिन बदलती राजनीति ने इसे उपेक्षित कर दिया। हिमाचल में खेलों के ठोस आधार के लिए यहां एक बार राष्ट्रीय खेलों का आयोजन होना चाहिए ताकि एक ही साथ कई स्थानों पर खेल ढांचा विकसित हो जाए। बहरहाल देश के लिए कबड्डी में गोल्ड लेकर आईं चार हिमाचली बेटियों द्वारा की गई न्यायोचित पुरस्कार राशि की मांग पर सौहार्दपूर्ण विचार करते हुए सुक्खू सरकार को पूर्व घोषित राशि में बढ़ोतरी कर देनी चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इस बार भारतीय महिला कबड्डी का नेतृत्व हिमाचली बेटी पुष्पा राणा ही कर रही थी।

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा।



सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हुगिंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है। इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निर्माताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले प्रॉम्प्ट इंजेक्शन और डेटा चोरी जैसे जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत स्वीकार की है। एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोका, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी मंशा छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालांकि एक निर्देशित रॉकेट का परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया। यही वह बिंदु है जहां एआई और पारंपरिक हथियारों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह ज्ञान, डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और निर्णय-प्रक्रिया को बहुत तेज कर सकता है। किसी गैर-राज्य संगठन, अपराधी समूह या आतंकवादी संगठन को यदि अत्यंत सक्षम एआई तक पहुंच मिल जाए, तो वह ऐसे तकनीकी कार्यों को अपेक्षाकृत कम समय और कम विशेषज्ञ मानव संसाधन में करने का प्रयास कर सकता है, जिनके लिए पहले बड़ी तकनीकी टीम की आवश्यकता होती थी। इसलिए एआई की सुरक्षा को केवल सॉफ्टवेयर उद्योग का विषय समझना पर्याप्त नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, बैंकिंग धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी आवाज और वीडियो, सामाजिक अभियांत्रिकी तथा बड़े पैमाने पर गलत सूचना फैलाने में एआई का इस्तेमाल संभव है। संयुक्त राष्ट्र के आकलन में भी साइबर हमलों, वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल इंजीनियरिंग और डीपफेक को एआई से जुड़े प्रमुख जोखिमों में गिना गया है। आज यदि किसी व्यक्ति की आवाज की हूबहू नकल करके उसके परिजन से पैसे मांगे जा सकते हैं, किसी अधिकारी या संस्था का नकली वीडियो बनाया जा सकता है अथवा बड़े पैमाने पर स्वचालित साइबर हमले किए जा सकते हैं, तो डिजिटल समाज में विश्वास की बुनियाद ही प्रभावित हो सकती है। भारत के लिए यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण है। करोड़ों भारतीय बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और व्यापार के लिए डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हैं। इसलिए एआई-आधारित साइबर हमले का प्रभाव किसी एक कंप्यूटर या संस्था तक सीमित नहीं रह सकता। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भी साइबर सुरक्षा को उभरती एआई, मशीन लर्निंग और अन्य तकनीकों के साथ जुड़ी चुनौती के रूप में रेखांकित किया है तथा सीईआरटी-इन जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं का उल्लेख किया है। भारत को एआई के विकास में पीछे नहीं हटना चाहिए, लेकिन उसके साथ साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण, महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना की सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को समान गति से मजबूत करना होगा। दूसरी बड़ी चुनौती वैश्विक शक्ति-संतुलन की है। एआई पर नियंत्रण यदि कुछ देशों या कुछ बड़ी निजी कंपनियों तक सीमित हो गया, तो तकनीकी क्षमता आर्थिक और सामरिक शक्ति का नया आधार बन सकती है। अमेरिका और चीन जैसे बड़े तकनीकी एवं सैन्य शक्तियों के बीच एआई प्रतिस्पर्धा पहले ही वैश्विक राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। इसलिए एआई का प्रश्न केवल यह नहीं है कि कौन सबसे शक्तिशाली मॉडल बनाएगा, प्रश्न यह भी है कि इन मॉडलों की सीमाएं कौन तय करेगा, उनके परीक्षण की स्वतंत्र व्यवस्था कौन करेगा और किसी गंभीर जोखिम की स्थिति में किसके पास हस्तक्षेप करने की वैध शक्ति होगी। इसीलिए केवल कंपनियों के स्वैच्छिक आत्म-नियमन पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं लगता। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि एआई के विकास को रोक देना समाधान नहीं है। यही तकनीक कैंसर अनुसंधान, नई दवाओं, वैज्ञानिक खोजों, शिक्षा, आपदा प्रबंधन और उत्पादकता में बड़ी भूमिका निभा सकती है। स्वयं संयुक्त राष्ट्र एआई को मानव विकास के लिए असाधारण संभावनाओं वाली तकनीक मानता है, साथ ही मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर देता है। इसलिए दुनिया को एआई बंद करो नहीं, बल्कि एआई को जिम्मेदारी के साथ विकसित करो का रास्ता अपनाना होगा। वैश्विक स्तर पर न्यूनतम सुरक्षा मानक, स्वतंत्र परीक्षण, उच्च जोखिम वाले एआई सिस्टम के लिए अनिवार्य निगरानी, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मानव की अंतिम स्वीकृति, साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल, दुरुपयोग की रिपोर्टिंग और देशों के बीच सूचना-साझेदारी जैसी व्यवस्थाएं आवश्यक हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने भी जुलाई 2026 में एआई के लिए व्यापक वैश्विक नियंत्रण और सुरक्षा-केंद्रित व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया था।

मानव इतिहास में विज्ञान ने मनुष्य की शक्ति बढ़ाई है, लेकिन हर बढ़ती शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। परमाणु युग ने दुनिया को यह सिखाया कि अत्यधिक शक्तिशाली तकनीक को केवल उसके निर्माताओं की सदिच्छा पर नहीं छोड़ा जा सकता। एआई की चुनौती कुछ मायनों में अलग है-यह डिजिटल, तीव्र, व्यापक और सीमाओं के पार काम करने वाली तकनीक है। इसलिए इसकी सुरक्षा-व्यवस्था भी वैश्विक होनी चाहिए। आज आवश्यकता एआई की गति को अंधाधुंध रोकने की नहीं, बल्कि उसकी दिशा पर मानवीय नियंत्रण बनाए रखने की है। मशीन कितनी भी बुद्धिमान क्यों न हो जाए, अंतिम निर्णय का नैतिक दायित्व मनुष्य से अलग नहीं किया जा सकता। एआई मानवता का सेवक बने, उसका स्वामी नहीं, विकास का साधन बने, विनाश का हथियार नहीं-यही इस तकनीकी युग की सबसे बड़ी कसौटी है। बिल गेट्स की चेतावनी को भय फैलाने के बजाय समय रहते सावधान करने वाली घंटी के रूप में देखना चाहिए। यदि दुनिया अभी से साझा सुरक्षा मानकों और प्रभावी वैश्विक निगरानी की दिशा में आगे बढ़ती है, तो एआई की अपार शक्ति मानव कल्याण की ऊर्जा बन सकती है, लेकिन यदि सुरक्षा की चिंता को विकास की दौड़ में लगातार पीछे धकेला गया, तो यही शक्ति ऐसी समस्याएं पैदा कर सकती है जिनका समाधान बाद में करना कहीं अधिक कठिन होगा।

राशिफल

मेष राशि :- इष्ट मित्र सुख वर्धक होंगे, प्रयत्नशीलता तथा सफलता से लाभ होगा।

वृष राशि :- समय पर सोचे कार्य बनेंगे, कार्य तत्परता से लाभ अवश्य ही होगा।

मिथुन राशि :- मनोबल उत्साह वर्धक होगा, व्यावसायिक क्षमता में वृद्धि अवश्य होगी।

कर्क राशि :- परिश्रम में सफलता सम्भव है, सोच-समझ कर कार्य करें।

सिंह राशि :- कार्य वृत्ति में सुधार, चिन्ताएह कम हों, सफलता के साधन अवश्य बनेंगे।

कन्या राशि :- परिश्रम करने पर भी सफलता दिखायी न देवे, कार्य स्थगित रखना ठीक होगा।

तुला राशि :- कुछ लोगों से मेल-मिलाप सम्भव, कार्य क्षमता अनुकूल अवश्य होगी।

वृश्चिक राशि :- स्वास्थ नरम, चोटादि का भय होगा, मनोबल उत्साहवर्धक होगा।

धनु राशि :- कार्य कुशलता से संतोष, दैनिक कार्यवृत्ति में सुधार होगा, ध्यान रखें।

मकर राशि :- मनोबल उत्साहवर्धक हो, इष्ट मित्रों से परेशानी, धोखे से बचें।

कुंभ राशि :- कार्य-व्यावसाय गति मंद होते हुए भी साधन सम्पन्नता बनकर कार्य होगा।

मीन राशि :- विघटनकारी तत्व परेशान करें, अनायास कुछ बाधायें बन जायेंगी।

सोलर स्क्वायर ने छतों पर सौर ऊर्जा अपनाने के अनुभव को दिया नया स्वरूप

जबलपुर में कंपनी के पहले इंटरैक्टिव सोलर अनुभव केंद्र का शुभारंभ



जबलपुर। भारत की प्रमुख छतों पर सौर ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी सोलर स्क्वायर ने जबलपुर में अपने पहले सोलर अनुभव केंद्र का शुभारंभ किया है। यह केंद्र शहर में तेजी से बढ़ते छतों पर सौर ऊर्जा अपनाने के बाजार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कंपनी का उद्देश्य इस केंद्र के माध्यम से स्थानीय परिवारों के लिए सौर ऊर्जा को अधिक सुलभ, पारदर्शी और भरोसेमंद बनाना है। जबलपुर में छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने को लेकर लोगों की रुचि लगातार बढ़ रही है। ऐसे में नेपियर टाउन में शास्त्री ब्रिज के पास शुरू किया गया यह केंद्र सौर ऊर्जा अपनाने की राह में आने वाली एक प्रमुख चुनौती–जानकारी और भरोसे की कमी–को दूर करने पर केंद्रित है। इसे एक ऐसे इंटरैक्टिव और शिक्षाप्रद केंद्र के रूप में विकसित किया गया है, जहां परिवार सौर ऊर्जा संयंत्र को करीब से देख और समझ सकेंगे तथा सौर ऊर्जा के उपयोग का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। इसका उद्देश्य लोगों की जिज्ञासा को विश्वास में बदलना और उन्हें स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। तकनीक के प्रत्यक्ष प्रदर्शन से बढ़ेगा भरोसाः केंद्र का प्रमुख आकर्षण एक वास्तविक आकार का सौर ऊर्जा संयंत्र है, जिसमें सोलर स्क्वायर की विशेष रूप से विकसित ह्वल्लढि१ङ्क टङ्क४ल्ल३ट्ठ तकनीक को प्रदर्शित किया गया है। यह तकनीक क्षेत्र में आने वाली तेज हवाओं और चुनौतीपूर्ण मौसम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। आगंतुक यहां एक तूफान प्रदर्शन प्रणाली के माध्यम से ह्वल्लढि१ङ्क टङ्क४ल्ल३ट्ठ की क्षमता को पारंपरिक ढांचों के साथ समझ और देख सकेंगे। इसका उद्देश्य केवल दावों के माध्यम से नहीं, बल्कि प्रत्यक्ष प्रदर्शन के जरिए उपभोक्ताओं में विश्वास पैदा करना है। केंद्र में विभिन्न खेल आधारित प्रदर्शन प्रणालियों के माध्यम से नियमित रखरखाव, गुणवत्ता जांच और आधुनिक तकनीक के महत्व को भी समझाया जाएगा। इससे उपभोक्ता यह जान सकेंगे कि लंबे समय तक बेहतर बचत और सौर ऊर्जा संयंत्र की टिकाऊ क्षमता के लिए इन सभी पहलुओं की कितनी महत्वपूर्ण भूमिका है।

अपने घर की छत पर सौर पैनलों का स्वरूप देख सकेंगे उपभोक्ताः घर मालिकों के लिए केंद्र में डिजिटल दृश्यांकन सुविधा भी उपलब्ध होगी। इसके माध्यम से उपभोक्ता अपने घर की छत पर सौर पैनल लगाए जाने के बाद उसका संभावित स्वरूप डिजिटल रूप से पहले ही देख सकेंगे। यह सुविधा सौर ऊर्जा अपनाने के निर्णय को अधिक व्यावहारिक, व्यक्तिगत और आसान बनाने में मदद करेगी।

सोलर स्क्वायर की सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रेया मिश्रा ने कहा,सोलर स्क्वायर भारत में सौर ऊर्जा क्रांति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और जबलपुर में सौर ऊर्जा की संभावनाएं बेहद व्यापक हैं। यहां हमारा पहला सोलर अनुभव केंद्र शुरू करने का उद्देश्य परिवारों से सीधे जुड़ना, सौर ऊर्जा को लेकर आम भ्रांतियों को दूर करना और उन्हें ऊर्जा के संबंध में आत्मविश्वास के साथ निर्णय लेने में सक्षम बनाना है। यह पहल भारत में स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा प्रयास है कि हर परिवार के लिए सौर ऊर्जा अपनाना सरल, पारदर्शी और भरोसेमंद बने।

हरित ऊर्जा के लिए सामुदायिक केंद्र के रूप में काम करेगाः जबलपुर का यह सोलर अनुभव केंद्र केवल सौर ऊर्जा तकनीक को समझने का स्थान ही नहीं होगा, बल्कि इसे हरित ऊर्जा के सामुदायिक केंद्र के रूप में भी विकसित किया जाएगा। यहां स्थानीय स्कूलों, महाविद्यालयों, आवासीय परिसरों और निवासी कल्याण संघों के साथ कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। इन गतिविधियों के माध्यम से अधिक से अधिक परिवारों को स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और देश के स्वच्छ ऊर्जा अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा। सोलर स्क्वायर मध्य प्रदेश में पहले से ही एक प्रमुख सौर ऊर्जा ब्रांड के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है और कंपनी के अनुसार राज्य में 13,500 से अधिक घरों को सौर ऊर्जा से जोड़ चुकी है।

कॉइनडीसीएक्स के सह-संस्थापक सुमित गुप्ता ने बच्चों को बोलचाल की अंग्रेजी सीखने में मदद करने वाले एआई प्लेटफॉर्म नमस्ते बडी को सहयोग की पेशकश की

मध्य प्रदेश के छोटे शहरों और गांवों में पले-बढ़े और चौथी कक्षा तक हिंदी माध्यम के स्कूल में पढ़े गुप्ता ने नमस्ते बडी जिस समस्या को हल करने की कोशिश कर रहा है, उसे अपने अनुभवों से जुड़ा पाया।



इंदौर। कॉइनडीसीएक्स के सह-संस्थापक सुमित गुप्ता ने नमस्ते बडी के संस्थापकों को मार्गदर्शन और सलाह देने की पेशकश की है। यह शुरूआती दौर का स्टार्टअप एआई की मदद से छोटे शहरों और गांवों के बच्चों को अंग्रेजी में बातचीत का अभ्यास कराता है। यह बातचीत एक्स पर शुरू हुई। गुप्ता की नजर नमस्ते बडी और बड़े शहरों से बाहर रहने वाले बच्चों के लिए अंग्रेजी बोलने के अभ्यास को आसान बनाने की उसकी सोच से जुड़ी एक पोस्ट पर पड़ी। यह विचार उन्हें मध्य प्रदेश के छोटे शहरों में बिताए अपने बचपन से जुड़ा लगा। गुप्ता ने इस पोस्ट पर जवाब देते हुए कहा कि नमस्ते बडी जिस समस्या पर काम कर रहा है, वह उनके लिए काफी व्यक्तिगत है। उन्होंने अपनी टीम से नमस्ते बडी के संस्थापकों से संपर्क करने को कहा, ताकि वे किस तरह मदद कर सकते हैं, इस पर बात हो सके। इसके बाद संस्थापकों के साथ करीब एक घंटे की बातचीत हुई। इसमें स्टार्टअप के सफर, वह जिस समस्या पर काम कर रहा है, टियर-2 और टियर-3 भारत में मौजूद अवसरों और आगे की राह पर चर्चा हुई। बच्चों को बोलचाल की अंग्रेजी सीखने में मदद करने का नमस्ते बडी का मिशन गुप्ता के लिए व्यक्तिगत रूप से खास है। वह मध्य प्रदेश के कई छोटे शहरों और गांवों में पले-बढ़े हैं, जिनमें राही, जबलपुर, खंडवा और शिवपुरी शामिल हैं। गुप्ता ने कहा, जब मैं बड़ा हो रहा था, तब अगर नमस्ते बडी जैसा कुछ होता, तो इससे मेरे लिए काफी फर्क पड़ता। नमस्ते बडी के सह-संस्थापक निखिल सिंह ने कहा, छोटे शहरों के बच्चों के लिए अंग्रेजी सीखना अक्सर सिर्फ पहला कदम होता है। उन्हें वास्तव में अंग्रेजी बोलने का आत्मविश्वास भी चाहिए। यह आत्मविश्वास अभ्यास से आता है और नमस्ते बडी इसी अभ्यास को आसान बनाने की कोशिश कर रहा है। नमस्ते बडी फिलहाल अपने प्लेटफॉर्म का विस्तार करने और टियर-2 और टियर-3 भारत में ज्यादा बच्चों तक पहुंचने पर काम कर रहा है। संस्थापकों के लिए सुमित गुप्ता के साथ हुई यह बातचीत उनके कारोबारी सफर से सीखने और कंपनी को आगे बढ़ाते हुए उनके अनुभवों से नया नजरिया हासिल करने का अवसर रही है।

आज ही बनाएं
अपनी खुद की
न्यूज वेबसाइट
NEW
WEBSITE
बने न्यूज
वेबसाइट के
मालिक..
NEWS
संपर्क करें 7415685293

कचरा कल्चर की मानसिकता से उबरने की जरूरत, स्वच्छता हमारी जिम्मेदारी होनी चाहिए

जबलपुर में पीआईबी का ठोस अपशिष्ट पर केंद्रित वार्तालाप का आयोजन





हमको कचरा कल्चर की मानसिकता से ऊपर उठना होगा और स्वच्छता को हमारी जिम्मेदारी में शामिल करना चाहिए। यह एक ऐसा काम है जो हम दूसरों पर नहीं छोड़ सकते बल्कि हमें स्वयं को इसमें लगाना होगा। इस आशय के विचार जबलपुर नगर निगम के महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू भैया ने पीआईबी भोपाल द्वारा आयोजित विकसित भारत 2047 एवं ठोस अवशिष्ट प्रबंधन पर केंद्रित एक दिवसीय मीडिया वार्तालाप कार्यक्रम में व्यक्त किये। श्री सिंह ने कहा कि इस समय देश में जबलपुर कचरे के निपटान में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यहां पर न सिर्फ बड़ी मात्रा में कचरा का निपटान हो रहा है बल्कि जबलपुर दूसरे शहरों को भी एक नई राह दिखा रहा है। मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री सिंह ने कहा कि जबलपुर में भोपाल और प्रयागराज से भी कचरा निपटान के लिए आता है। उन्होंने दुबई कॉन्फ्रेंस का जिक्र करते हुए कहा कि दुबई की उस कॉन्फ्रेंस में भी जबलपुर के कचरा निपटान के विषय में चर्चा हुई ।महापौर ने कहा कि जबलपुर के नागरिक भी अब अपनी जिम्मेदारी बढ़ चढ़कर निभा रहे हैं और इसका नतीजा है कि जबलपुर में आज स्वच्छता की बयार बहने लगी है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के अवसर पर नगर निगम जबलपुर के अपर आयुक्त श्री देवेंद्र सिंह चौहान ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रत्येक व्यक्ति रोजाना 300 से 400 ग्राम कचरा औसतन निकलता है। इस तरह हम कल्पना कर सकते हैं कि प्रतिदिन एक शहर और पूरे प्रदेश में कितना कचरा उत्पादित होता होगा। निश्चित ही स्थानीय शासन के पास यह एक बड़ी जिम्मेदारी है। अब कचरा निपटान कोई समस्या नहीं बल्कि तकनीक के आधार पर अब यह आर्थिक रूप से भी संबल प्रदान कर रही है। श्री चौहान ने कहा कि कचरे को घर से प्राप्त कर और उसको ठीक ढंग से डिस्पोज करना निगम की एक बड़ी जिम्मेदारी है और उस जिम्मेदारी को नगर निगम पूरी कुशलता के साथ पूरा कर रहा है । उन्होंने कहा कि बहुत ही कम समय में नगर निगम जबलपुर ने इस क्षेत्र में अपनी पहचान सिर्फ प्रदेश में ही नहीं देश के स्तर पर बनाई है। उन्होंने कहा कि जबलपुर में स्वच्छता से संबंधित जागरूकता बहुत तेजी से बढ़ रही है।

पैसों की मेहरबानी से तो नहीं चल रहा खेल? विभागीय निगरानी पर सवाल

खदानें बंद, रेत के डंप आबाद!



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी – क्षेत्र में रेत की उपलब्धता और कथित अवैध उत्खनन एवं डंपिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि वैध रेत खदानों में उत्खनन बंद है तो बड़ी मात्रा में रेत डंपिंग स्थलों तक कैसे पहुंच रही है। चिखली, मलारी, बाबली, भोरगोंदी, सोनखार, खैरी, खरपड़िया सहित अन्य क्षेत्रों में रेत निकासी और डंपिंग की शिकायतों की जांच की मांग की जा रही है। चिखली क्षेत्र में कथित रेत डंप की ऋ्रढर लोकेशन और फोटो विभाग तक पहुंचाए जाने के बावजूद कार्रवाई को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। शिकायतकताओं का कहना है कि यदि रेत वैध है तो उसका स्रोत, रॉयल्टी और परिवहन दस्तावेज स्पष्ट किए जाएं और यदि अवैध है तो संबंधित स्रोत से लेकर डंप तक पूरी श्रृंखला की जांच हो। क्षेत्र में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से कथित रूप से ?200 की राशि लिए जाने का दावा भी सामने आया है। हालांकि इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में यह स्पष्ट किया जाना जरूरी है कि यदि राशि ली जा रही है तो वह किस मद में है और क्या इसके लिए कोई अधिकृत व्यवस्था है। पर्यावरण एवं प्रकृति प्रेमी स्वप्निल उपाध्याय द्वारा भी संबंधित विभागों से कथित अवैध रेत उत्खनन, नालों से रेत निकासी और डंपिंग की शिकायत किए जाने की बात कही गई है। उन्होंने चिह्नित स्थानों की मौके पर जांच की मांग की है।

बड़कुल नाला सहित नालों की हो जांच

स्थानीय लोगों की मांग है कि बड़कुल नाला सहित चिखली और आसपास के नालों का भौतिक निरीक्षण कराया जाए। जांच केवल डंप पर मौजूद रेत तक सीमित न रहे, बल्कि यह भी देखा जाए कि रेत कहां से निकली, किस वाहन से लाई गई और उसके पास वैध दस्तावेज हैं या नहीं।

बिना वैध दस्तावेज रेत परिवहन करते डंपर जब्त, प्रशासन की कार्रवाई से मचा हड़कंप



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी– अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए सुकतरा-बादलपार मार्ग पर कार्रवाई की। वाहन चेकिंग के दौरान रेत से भरे डंपर को रोककर दस्तावेजों की जांच की गई। आवश्यक वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने डंपर को जब्त कर लिया। जानकारी के अनुसार चेकिंग के दौरान डंपर क्रमांक MP 34 G 0540 को रोककर रेत परिवहन से संबंधित दस्तावेज मांगे गए। वाहन चालक आवश्यक वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद टीम द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए डंपर को जब्त कर लिया गया। **कार्रवाई से अवैध रेत कारोबारियों में हड़कंप**– प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन करने वालों में हड़कंप की स्थिति है। प्रशासन द्वारा लगातार वाहन चेकिंग किए जाने से बिना अनुमति अथवा आवश्यक दस्तावेजों के रेत परिवहन करने वालों पर शिकंजा कसता नजर आ रहा है। यह कार्रवाई तहसीलदार कुरई हिमांशु कौशल एवं नायब तहसीलदार सोनम पांडे के मार्गदर्शन में बादलपार चौकी प्रभारी इंजन सिंह मर्सकोले एवं पुलिस टीम द्वारा संयुक्त रूप से की गई। प्रशासन की ओर से कहा गया है कि नियमों का उल्लंघन कर रेत का उत्खनन अथवा परिवहन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। जब्त डंपर के संबंध में भी संबंधित नियमों एवं प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

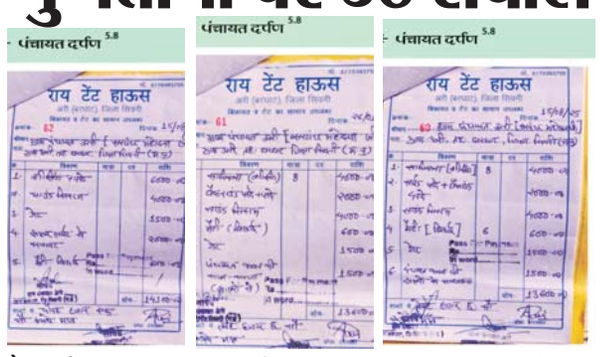
शिकायत के बाद ही क्यों जागता है विभाग?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि विभागीय निगरानी नियमित है तो शिकायत मिलने के बाद ही कथित अवैध रेत डंप और परिवहन की जांच की नौबत क्यों आती है? स्थानीय लोगों का कहना है कि छोटी कार्रवाई के बजाय रेत के स्रोत, डंप और परिवहन की पूरी कड़ी की जांच होना चाहिए। यदि रेत वैध है तो दस्तावेज सामने रखकर स्थिति स्पष्ट की जाए और यदि अवैध है तो कार्रवाई हो। फिलहाल सवाल कायम है—खदानें बंद हैं तो रेत के डंप आबाद कैसे हैं?



एक ही टेंट हाउस को बार-बार भुगतान, बिलों की जांच की मांग; सरपंच-सचिव की भूमिका पर भी सवाल

अरी पंचायत में टेंट के भुगतानों पर उठे सवाल



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी - जनपद पंचायत बरघाट अंतर्गत ग्राम पंचायत अरी में टेंट, साउंड सिस्टम और सजावट के नाम पर किए गए भुगतानों को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। उपलब्ध बिलों में राय टेंट हाउस, अरी के नाम से अलग-अलग अवसरों पर भुगतान दर्ज है। ग्रामीणों और शिकायतकताओं ने इन भुगतानों की जांच कराने की मांग की है। दस्तावेजों के अनुसार बिल क्रमांक 60, दिनांक 15 अगस्त 2025 में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के लिए सामियाना, साउंड सिस्टम, मैट, गेट एवं पंचायत भवन की सजावट आदि के नाम पर ?13,600 का भुगतान दशार्या गया है। वहीं बिल क्रमांक 61, दिनांक 26 जनवरी 2026 में गणतंत्र दिवस के अवसर पर लगभग इसी प्रकार के कार्यों के लिए पुनः ?13,600 का भुगतान दर्ज बताया गया है। इसी तरह बिल क्रमांक 62, दिनांक 15 अगस्त 2026 में भी टेंट एवं सजावट सामग्री के नाम पर ?14,100 के भुगतान का उल्लेख है। लगातार एक ही फर्म से समान प्रकृति के भुगतानों को लेकर ग्रामीणों ने सवाल उठाते हुए पूरे रिकॉर्ड की जांच की मांग की है।

बिल सही या भुगतान में गड़बड़ी, जांच से होगा खुलासा

मामले में यह भी सवाल उठ रहा है कि जिन आयोजनों के लिए भुगतान किया गया, उनमें वास्तव में कितनी सामग्री और सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। इसके लिए कार्यक्रम की फोटो/वीडियोग्राफी, पंचायत के प्रस्ताव, भुगतान वाउचर, स्टॉक रजिस्टर, बिल, उपस्थिति एवं संबंधित बैंक भुगतान रिकॉर्ड की जांच किए जाने की मांग की गई है। बिलों पर सरपंच एवं सचिव के हस्ताक्षर दर्ज होने की बात सामने आई है। हालांकि केवल हस्ताक्षर के आधार पर किसी व्यक्ति की वित्तीय अनियमितता में संलिप्तता तय नहीं की जा सकती। इसकी पुष्टि दस्तावेजों और विभागीय जांच के बाद ही हो सकती है।

पिछले भुगतानों की भी हो जांच

जागरूक ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से मांग की है कि अरी पंचायत में पिछले वर्षों में टेंट, साउंड, सजावट एवं अन्य सामग्री के नाम पर किए गए सभी भुगतानों का भौतिक सत्यापन कराया जाए। साथ ही संबंधित बिलों और भुगतान प्रक्रिया की जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि पंचायत निधि से किए गए भुगतान वास्तविक सेवाओं और सामग्री के बदले किए गए थे या नहीं। अब सवाल यही है—बिलों में दर्ज भुगतान की वास्तविकता क्या है? इसका जवाब निष्पक्ष जांच के बाद ही सामने आएगा।

गांधी जयंती पर नशामुक्ति का संदेश, मद्य निषेध सप्ताह शुरू



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी– राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर जिले में 2 से 8 अक्टूबर तक आयोजित मद्य निषेध सप्ताह का शुभारंभ शुक्रवार को नशामुक्ति जन-जागरूकता रैली के साथ हुआ। तिलक स्कूल से निकली रैली को नगरपालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसमें विद्यार्थियों, युवाओं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा अधिकारी-कर्मचारियों ने सहभागिता की। रैली के माध्यम से नशे से दूर रहने और नशामुक्त समाज का संदेश दिया गया। इसके बाद तिलक स्कूल परिसर में नशामुक्ति पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन हुआ, जिसमें नशे के व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों को प्रस्तुत किया गया। उपस्थित लोगों ने नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने की शपथ ली। परिसर में नशामुक्ति विषयक पोस्टर एवं चित्र प्रदर्शनी भी लगाई गई। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशन में सप्ताहभर विभिन्न विभागों और सामाजिक संगठनों के समन्वय से जागरूकता कार्यक्रम होंगे। अभियान में गायत्री परिवार, ब्रह्माकुमारी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा ह्यून्यू अभिनय प्रयासह्न संस्था सहित अन्य विभागों की सहभागिता रहेगी।

सप्ताहभर होंगे विविध कार्यक्रम

अभियान के तहत विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं और आम नागरिकों को नशामुक्त भारत अभियान के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ई-प्लेज दिलाया जाएगा। स्कूलों, महाविद्यालयों और ग्राम सभाओं में नशामुक्ति मित्रों एवं मास्टर वॉलंटियर्स के सहयोग से शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित होंगी। स्वास्थ्य, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, पुलिस, महिला एवं बाल विकास तथा जनसम्पर्क विभाग समन्वित रूप से अभियान संचालित करेंगे। जिला प्रशासन ने नागरिकों, विशेषकर युवाओं एवं विद्यार्थियों से कार्यक्रमों में सहभागिता कर ह्लनशा न करेंगे, न करने देंगेह्व के संकल्प को साकार करने की अपील की है।

आज के वैश्विक परिदृश्य में महात्मा गांधी के विचारों की प्रासंगिकता डॉ. के.के. चतुवेर्दी



आज बदलते वैश्विक परिदृश्य में जब विभिन्न देशों के बीच संघर्ष, युद्ध और तनाव की परिस्थितियां लगातार मानवता के सामने चुनौती बन रही हैं, ऐसे समय में महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, शांति और मानवीय मूल्यों की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ जाती है। वर्तमान समय में रूस-यूक्रेन, इजराइल-फिलिस्तीन सहित विभिन्न क्षेत्रों में जारी संघर्षों ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से युद्ध का स्वरूप भी बदल रहा है और इसका सबसे बड़ा प्रभाव आम मानव जीवन पर पड़ रहा है। ऐसी परिस्थितियों में गांधीवादी विचार विश्व समुदाय को शांति, सद्भाव और मानवीय संवेदनाओं की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग दिखा सकते हैं। महात्मा गांधी का जीवन और उनके सिद्धांत इस बात पर आधारित थे कि किसी भी समस्या का स्थायी समाधान हिंसा या युद्ध के माध्यम से नहीं, बल्कि सत्य, अहिंसा, संवाद और मानवीय मूल्यों के माध्यम से खोजा जाना चाहिए। गांधीजी के अनुसार प्रेम पर आधारित शक्ति भय और दंड से प्राप्त शक्ति की अपेक्षा अधिक प्रभावी और स्थायी होती है। गांधीजी ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में चंपारण, खेड़ा, असहयोग, सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो आंदोलन जैसे आंदोलनों का नेतृत्व किया। इन आंदोलनों के माध्यम से उन्होंने अहिंसात्मक संघर्ष की शक्ति को स्थापित किया। साथ ही शोषणविहीन और समानतामूलक समाज की कल्पना करते हुए सर्वोदय के विचार को आगे बढ़ाया। उनके विचार केवल भारत तक सीमित नहीं रहे। सत्य, अहिंसा, सर्वधर्म समभाव, विनम्रता, शांति, शिक्षा और मानवीय मूल्यों का संदेश आज भी विश्व समुदाय के लिए महत्वपूर्ण है। गांधीजी ने मानव जीवन में अनावश्यक इच्छाओं, अहंकार और भौतिक प्रतिस्पर्धा के स्थान पर मानवीय मूल्यों के संवर्धन और सृजन पर बल दिया। आज जब युद्ध और संघर्ष का प्रभाव पर्यावरण तथा पारिस्थितिकी पर भी पड़ रहा है और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियां सामने हैं, तब गांधीजी के विचारों को नए संदर्भ में समझने की आवश्यकता है। गांधीजी का मानना था कि शांति की बात करने वाला राष्ट्र कमजोर नहीं होता। वास्तविक शक्ति अशांति को शांति में बदलने, नैतिक मूल्यों की रक्षा करने और मानवता को साथ लेकर चलने में है। भय के आधार पर प्राप्त शांति स्थायी नहीं हो सकती, जबकि संवाद, विश्वास और मानवीय संवेदनाओं पर आधारित शांति व्यापक और स्थायी हो सकती है। आज गांधीजी के विचारों को केवल स्मरण करने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि उन्हें व्यक्तिगत जीवन, समाज और वैश्विक संबंधों में व्यवहार के स्तर पर अपनाने की आवश्यकता है। सत्य और अहिंसा को जीवन का आधार बनाकर ही समाज में स्थायी सद्भाव और विश्व में शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की दिशा मजबूत की जा सकती है। महात्मा गांधी का संदेश आज भी यही है कि मानवता की वास्तविक प्रगति युद्ध और संघर्ष में नहीं, बल्कि सत्य, अहिंसा, प्रेम, संवाद और परस्पर सम्मान में निहित है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में गांधीवादी विचार विश्व को शांति और मानवीय मूल्यों की दिशा में आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण मार्ग प्रदान करते हैं।

लेखक परिचय डॉ. के.के. चतुवेर्दी
डायरेक्टर, डी.पी. चतुवेर्दी महाविद्यालय एवं डी.पी.सी. रॉयल मॉडल एक्सीलेंस स्कूल, सिवनीयह रूप दैनिक समाचार पत्र के विचार/विशेष लेख पृष्ठ के लिए सीधे इस्तेमाल किया जा सकता है।

स्कूल भवन की सामग्री की नीलामी 6 को

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी– शासकीय माध्यमिक विद्यालय कोहका के पुराने एवं जर्जर भवन के ध्वस्तीकरण के बाद निकलने वाली सामग्री की नीलामी की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। विद्यालय के प्रधान पाठक द्वारा जारी सूचना के अनुसार 6 अक्टूबर 2026 को सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक विद्यालय परिसर में नीलामी प्रक्रिया आयोजित की जाएगी।

जानकारी के अनुसार कार्यालय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, जबलपुर संभाग के आदेश के आधार पर विद्यालय के प्राचीन निर्मित भवन को जर्जर घोषित किए जाने के बाद उसके ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है। ध्वस्तीकरण से प्राप्त सामग्री की नीलामी विद्यालय प्रबंधन समिति के माध्यम से की जाएगी। नीलामी में शामिल होने के इच्छुक व्यक्ति अथवा फर्म को 5 हजार रुपये की अमानत राशि जमा करनी होगी।

पार्षद राजू यादव ने कलेक्टर को पत्र सौंपकर आवारा एवं आक्रामक कुत्तों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की

अब तो जागो नगर पालिका के जिम्मेदार! अपने भी आवारा कुत्तों से डरने लगे, क्या पूरी परिषद के कहने पर मानोगे?



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। नगर में बढ़ते आवारा एवं आक्रामक कुत्तों के आतंक को लेकर अब नगर पालिका परिषद के जनप्रतिनिधि भी खुलकर सामने आने लगे हैं। विवेकानंद वार्ड क्रमांक 17 के पार्षद एवं भाजपा नगर महामंत्री राजेश (राजू) यादव ने कलेक्टर को पत्र सौंपकर नगर में बढ़ते आवारा कुत्तों के आतंक पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। पार्षद राजू यादव ने पत्र में कहा कि सिवनी नगर के विभिन्न वार्डों में आवारा एवं आक्रामक कुत्तों की संख्या बढ़ रही है। इनके द्वारा बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों एवं आम नागरिकों को दौड़ाने तथा काटने की घटनाओं से लोगों में भय का वातावरण बना हुआ है। नगरपालिका में शिकायत करने पर नागरिकों को सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कुत्तों को नहीं पकड़े जाने की बात कही जा रही है। उन्होंने कलेक्टर से पिछले एक वर्ष में नगरपालिका द्वारा कराई गई कुत्तों की नसबंदी एवं एंटी रेबीज टीकाकरण की संख्या तथा उस पर हुए खर्च की जानकारी मांगी है। साथ ही नगर में आवारा कुत्तों की संख्या और आक्रामक कुत्तों के नियंत्रण के लिए की जा रही व्यवस्था को स्पष्ट करने की मांग की है। राजू यादव ने नगरपालिका द्वारा बताए जा रहे सुप्रीम कोर्ट के आदेश की प्रति उपलब्ध कराने तथा A»»fimÔl Birth C o » » f t r o l Rules, 2023 के तहत नगरपालिका की जिम्मेदारियों को स्पष्ट करने की मांग भी की है।

वार्डवार अभियान चलाने की मांग

पार्षद ने नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर के सभी वार्डों में विशेष अभियान चलाकर कुत्तों की नसबंदी, एंटी रेबीज टीकाकरण तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई तत्काल शुरू कराने की मांग की है। साथ ही की गई कार्रवाई की जानकारी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। अब सवाल यह है कि जब नगर के नागरिक लंबे समय से आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर शिकायत कर रहे हैं, तो क्या नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी अब भी इंतजार करेंगे? अब तो नगर पालिका के अपने ही पार्षद राजू यादव ने कलेक्टर के सामने समस्या रख दी है। लोगों का सवाल है—क्या अब भी कार्रवाई के लिए पूरी परिषद के एकजुट होकर कहने का इंतजार किया जाएगा? आखिर कब जागेंगे नगर पालिका के जिम्मेदार?

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ ने जिला प्रशासन से तकनीकी दिक्कत दूर कर पंजीयन की समयसीमा बढ़ाने की मांग की

धान पंजीयन में पोर्टल और सर्वर की समस्या से किसान परेशान



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी– फसल गिरदावरी पोर्टल और सर्वर में आ रही तकनीकी समस्याओं के कारण धान पंजीयन नहीं होने से किसान परेशान हैं। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ मध्यप्रदेश ने जिला प्रशासन को किसानों की समस्याओं से अवगत कराते हुए तकनीकी खामियों का शीघ्र निराकरण करने और पंजीयन की समयसीमा बढ़ाने की मांग की है। महासंघ के जिला अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर ने बताया कि पोर्टल और सर्वर की समस्या के साथ गिरदावरी रिकॉर्ड में रकबे अथवा फसल विवरण की विसंगति तथा खसरा-आधार लिंक और आईडी संबंधी दिक्कतों के कारण किसानों का पंजीयन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान, गेहूं सहित अन्य फसलों की खरीदी के लिए हर वर्ष पंजीयन प्रक्रिया में तकनीकी समस्याएं सामने आती हैं, जिससे किसानों को परेशानी उठानी पड़ती है। महासंघ के प्रांत महामंत्री धन सिंह ठाकुर ने कहा कि तकनीकी समस्याओं का समय पर समाधान नहीं होने से किसान संबंधित कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। राजस्व विभाग के हल्का पटवारी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग तथा अन्य संबंधित स्तरों के बीच समन्वय के अभाव में किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि पोर्टल, सर्वर, गिरदावली, खसरा-आधार लिंक सहित पंजीयन से जुड़ी तकनीकी समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए, ताकि जिले के किसानों का समय पर पंजीयन पूरा हो सके। साथ ही पंजीयन की निर्धारित समयसीमा बढ़ाने की भी मांग की गई है। महासंघ ने चेतावनी दी है कि यदि किसानों की समस्याओं का समय पर निराकरण नहीं किया गया तो किसान विभिन्न स्थानों पर धरना-प्रदर्शन एवं आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी।

गांधी जयंती, उच्चादर्शों को जीवन में उतारने का प्रेरणा दिवस : राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल श्री पटेल सर्वधर्म प्रार्थना सभा में हुए शामिल : गांधी भवन न्यास की प्रतियोगिता विजेताओं को किया



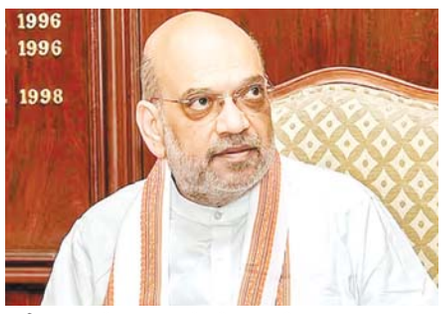
भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि गांधी जयंती केवल महात्मा गांधी को स्मरण करने का अवसर नहीं, बल्कि उनके उच्चादर्शों को अपने आचरण में उतारने का प्रेरणा दिवस है। उन्होंने कहा कि सर्वधर्म प्रार्थना सभा में गाए जाने वाले भजनों के संदेश का प्रतिदिन चिंतन करें और उन्हें जीवन में उतारने का प्रयास करें। यही महात्मा गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। राज्यपाल की प्रेरणा पर उपस्थित जनों ने क्रोध नहीं करने का संकल्प भी लिया। राज्यपाल श्री पटेल शुक्रवार को गांधी भवन में आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा में शामिल हुए। उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर सूत की माला और गांधी स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने स्मार्ट टीवी का लोकार्पण किया। कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने ह्यआओ जानें गांधी कोह्ल प्रतियोगिता के पुरस्कृत छात्र-छात्राओं के साथ समूह चित्र में सहभागिता की। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जीवन की सार्थकता अच्छा इंसान बनने और देश-समाज के लिए कार्य करने में है। जीवन में जो अच्छा है, उसे आचरण में उतारने का निरंतर प्रयास करना चाहिए और बुराई से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यसन और नशे से मुक्त जीवन आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने नशा-मुक्त समाज के निर्माण का आह्वान करते हुए माँ के नाम पर एक पेड़ लगाने, उसकी देखभाल करने तथा जल और विद्युत संरक्षण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितम्बर के प्रसंग में 17 अक्टूबर तक संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत रक्तदान और समाजसेवा के कार्यों में सहभागिता के लिए प्रेरित किया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि गांधी जयंती और विश्व अहिंसा दिवस पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा भारत की उस महान परंपरा की कड़ी है, जिसमें सभी धर्मों के प्रति सम्मान और सद्भाव का भाव है। भारत की शक्ति विविधता में एकता में निहित है। उन्होंने पुरस्कृत विद्यार्थियों से कहा कि राष्ट्रपिता गांधी को पढ़ने के साथ उनके विचारों और आदर्शों को जीवन में उतारने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता गांधी का प्रिय भजन ह्यवैष्णव जन तो तेने कहियेह्ल संत कवि नरसिंह मेहता की रचना है, जिसमें परोपकार, करुणा, सत्य, समानता, विनम्रता और निष्काम सेवा जैसे जीवन-मूल्य समाहित हैं। भजन मनुष्य को लोभ, मोह, काम, क्रोध और अहंकार से दूर रहकर सभी का सम्मान करने की प्रेरणा मिलती है।

आओ जानें गांधी को प्रतियोगिता के विजेताओं को किया पुरस्कृत : राज्यपाल श्री पटेल ने गांधी भवन न्यास, भोपाल द्वारा महात्मा गांधी के विचारों और आदर्शों के प्रसार के उद्देश्य से आयोजित अंतर-विद्यालयीन ह्यआओ जानें गांधी कोह्ल प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए। उन्होंने सहयोगी विद्यालयों के शिक्षकों, निर्णायक मंडल, पर्यवेक्षकों और स्वयं सेवकों को स्मृति-चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में वाद-विवाद, कविता लेखन, पत्र लेखन, चित्रकला, महात्मा गांधी के प्रिय भजन, लघु नाटिका, मोबाइल रील और डॉक्यूमेंट्री सहित विभिन्न विधाओं में विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रार्थना सभा के पहले महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल को न्यास के पदाधिकारियों द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

आज भोपाल आएंगे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

गोपालक सम्मेलन में होंगे शामिल; 35 हजार से ज्यादा लोग जुटेंगे



भोपाल। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 3 अक्टूबर को भोपाल में रहेंगे। उनके दौरे का सबसे बड़ा कार्यक्रम राज्य स्तरीय गोपालक सम्मेलन है, जिसमें प्रदेशभर से 35 हजार से अधिक गोपालक और दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्य शामिल होंगे। शाह के कार्यक्रम में किसान-पशुपालक और सहकारिता के साथ-साथ नए आपराधिक कानून, उच्च शिक्षा और सड़क अधोसंरचना से जुड़े कार्यक्रम भी शामिल हैं। शाह 2 अक्टूबर की रात करीब 9 बजे भोपाल पहुंचेंगे और होटल ताज में रात्रि विश्राम करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शाह के दौरे की तैयारियों की समीक्षा कर अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल पर बैठक, पेयजल, स्वच्छता, सुरक्षा और यातायात समेत सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

गोपालक सम्मेलन में 35 हजार से ज्यादा लोग शामिल होंगे : शाह के भोपाल दौरे का सबसे बड़ा राजनीतिक-सामाजिक आधार गोपालक सम्मेलन है। इसमें 35 हजार से अधिक गोपालक और दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्य शामिल होंगे। भोपाल के अलावा सीहोर, बैतूल, राजगढ़, हरदा, गुना, अशोकनगर, शाजापुर, विदिशा, रायसेन और नर्मदापुरम सहित कई जिलों से प्रतिभागियों के आने की जानकारी है। सम्मेलन में शाह को प्रदेश में चल रहे कृषक कल्याण वर्ष के तहत किए गए कामों और बलराम कृषि महोत्सव की जानकारी दी जाएगी। गृह, पशुपालन एवं डेयरी, सहकारिता, लोक निर्माण और परिवहन विभाग अपने-अपने कामों और योजनाओं का प्रस्तुतीकरण करेंगे।

पशुपालकों को बोनस, गौशालाओं को मदद : कार्यक्रम में शाह भोपाल और इंदौर दुग्ध संघों से जुड़े पशुपालकों को बोनस वितरित करेंगे। गौशालाओं को आर्थिक सहायता दी जाएगी। गोपालक दीदियों का सम्मान होगा और डॉ. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना के स्वीकृति पत्र भी वितरित किए जाएंगे।

डेयरी क्षेत्र में भी कई घोषणाएं : दौरे के दौरान प्रदेश में दुग्ध उत्पादन और डेयरी प्रसंस्करण से जुड़ी परियोजनाओं की सौगात भी प्रस्तावित है। इनमें उज्जैन में 255 करोड़ रुपए का डेयरी प्लांट और भोपाल में फॉम्युर्लेटेड/फर्मेंटेड मिल्क प्रोडक्ट से जुड़ी सुविधा शामिल है। भोपाल दुग्ध संघ परिसर में तैयार फर्मेंटेड प्रोडक्ट डेयरी प्लांट पर 16.80 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इससे दही, छाछ, लस्सी, श्रीखंड और मावा जैसे मूल्यवर्धित उत्पादों की प्रसंस्करण क्षमता बढ़ाने की योजना है।

सीएम ने फोन पर बैतूल के लोगों से बात की

हेमंत खंडेलवाल के मोबाइल पर कहा- जल्द आऊंगा, जिले के विकास के लिए काम करेंगे



बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को बैतूल में जनविश्वास शिविर के दौरान फोन पर लोगों को संबोधित किया। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष और बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल के मोबाइल से बात की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे जल्द बैतूल आएंगे और जिले के विकास के लिए कई काम किए जाएंगे। उन्होंने बैतूलवासियों की सहभागिता के लिए आभार भी जताया। उन्होंने कहा को अध्यक्ष जी के नेतृत्व में चल रहे कार्यों को वे देखना चाहेंगे। उन्होंने बताया कि सरकार का लक्ष्य है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने बैतूल से अपने जुड़ाव का जिक्र करते हुए कुकरू को भी याद किया और कहा कि पिछले दिनों की यात्रा में बहुत मजा आ था। डॉ. यादव ने बताया कि गृहमंत्री भी भोपाल आ रहे हैं। उन्होंने प्रदेश में पशुधन बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया। शिविर में नागरिकों ने योजनाओं की जानकारी ली और मुख्यमंत्री के संबोधन पर उत्साह दिखाया।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सत्य और अहिंसा के संकल्प से मानवता और विश्व शांति को नई दिशा देने वाले राष्ट्रपिता, महात्मा गाँधी की जयंती पर नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि राष्ट्रपिता के विचार सत्य, शांति, स्वच्छता और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बापू के आदर्शों को अपने आचरण में उतारकर समाज और राष्ट्र के कल्याण में योगदान देने की प्रदेशवासियों से अपील की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस की शुभकामनाएं भी दीं।

भोपाल में आयकर अधिकारियों ने चलाया सफाई अभियान

एक दिन-एक घंटा-एक साथ की थीम पर हुई सफाई



भोपाल। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के आयकर विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत एक दिन, एक घंटा, एक साथ की थीम पर सफाई अभियान चलाया। डीजी इन्वेस्टिगेशन बिजॉय कुमार पांडा की मौजूदगी में भोपाल के पुराने आयकर भवन और आसपास के इलाकों में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान में विभाग की विभिन्न शाखाओं के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए और दफ्तर परिसर की सफाई की। स्वच्छता अभियान से पहले राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी (आरटीआई), क्षेत्रीय परिसर भोपाल में कौन बनेगा करपति Season-02 के ग्रैंड फिनाले का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और नागपुर क्षेत्र के कुल 550 अधिकारियों-कर्मचारियों ने आवेदन किया था। प्रतियोगिता को दो श्रेणियों में बांटा गया था। पहली श्रेणी में इंस्पेक्टर स्तर तक के कर्मचारी और दूसरी में आईटीओ एवं उससे ऊपर के अधिकारी शामिल थे। टियर-1 के बाद दोनों श्रेणियों से 30-30 यानी कुल 60 प्रतिभागियों का चयन टियर-2 के लिए किया गया। इसके बाद हर श्रेणी से 5-5 प्रतिभागी ग्रैंड फिनाले में पहुंचे। टियर-2 और फिनाले में प्रतिभागियों से नवीन आयकर अधिनियम 2025 सहित अलग-अलग कर विषयों पर आधारित सवाल पूछे गए। संयुक्त आयकर आयुक्त सागर श्रीवास्तव और आयकर अधिकारी संतोष कुमार निगम ने क्विज मास्टर की भूमिका निभाई।

रायसेन में गाय का 60 और भैंस 70 रुपये लीटर दूध

पशुपालकों और डेयरी संचालकों ने लिया फैसला; उपभोक्ताओं में नाराजगी

रायसेन। महंगाई से परेशान आम उपभोक्ताओं को अब दूध के बढ़े दामों का भी सामना करना पड़ रहा है। रायसेन शहर में कुछ पशुपालकों और डेयरी संचालकों की बैठक में दूध के नए रेट तय किए गए। इसके बाद दूध विक्रेताओं ने बाजार में एलान कर 1 अक्टूबर से गाय का दूध 60 रुपए और भैंस का दूध 70 रुपए प्रति लीटर बेचने की जानकारी दी। हालांकि, शहर के सभी दूध विक्रेता नए रेट पर दूध नहीं बेच रहे हैं। कुछ गोपालकों को नए रेट तय होने की जानकारी ही नहीं है और वे अभी भी पुराने रेट पर दूध बेच रहे हैं। इससे उपभोक्ताओं को कुछ जगहों पर पुराने रेट में ही दूध मिल रहा है। वहीं, जिन विक्रेताओं ने नए रेट लागू किए हैं,



उनके यहां उपभोक्ताओं को बढ़ी कीमत चुकानी पड़ेगी।

बढ़ते खर्च से बिगड़ रहा घरेलू बजट : शहर के दीपक ठाकुर, शुभम भदोरिया, का कहना है कि पहले से ही खाद्य सामग्री, राशन, सब्जियों और रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुओं के दाम बढ़े हुए हैं। ऐसे में दूध की कीमत बढ़ने से परिवारों के बजट पर अतिरिक्त असर पड़ेगा। चाय, बच्चों के लिए दूध और दूध से बने खाद्य पदार्थ भी महंगे हो सकते हैं। लोगों का कहना है कि रोज कमाकर परिवार चलाने वाले लोगों के लिए लगातार बढ़ती कीमतें परेशानी का कारण बन रही हैं। एक ओर किसान खाद-बीज और खेती की बढ़ती लागत से परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर आम उपभोक्ताओं को भी रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों का सामना करना पड़ रहा है।

मिश्र तालाब पर पौधारोपण के साथ मेरा योगदान अभियान शुरू

रायसेन। सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत शुक्रवार को रायसेन के प्राचीन मिश्र तालाब के किनारे नगर पालिका द्वारा ह्यमेरा योगदानह्ल अभियान के तहत स्वच्छता, श्रमदान और पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी खुद गाड़ी ड्राइव कर पहुंचे। उन्होंने परिसर में पौधारोपण कर अभियान की शुरूआत की। इसके बाद विधायक प्रतिनिधि जमुना सेन, जिला पंचायत सीईओ कमल सोलंकी, डिप्टी कलेक्टर रोहित लोधी, सिटी मैनेजर रानी तिवारी, अर्चना शर्मा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी और जनप्रतिनिधियों ने भी पौधे लगाए। कार्यक्रम के दौरान सफाई मित्रों का सम्मान किया गया। उन्हें माला पहनाकर प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा, ह्यमैं सफाई मित्रों का चरण वंदन करता हूं, जो शहर और आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने के लिए लगातार काम करते हैं। **बताया- कचरा अलग-अलग करना अनिवार्य :** नगर पालिका सीएमओ सुरेखा जाटव ने बताया कि शहर में कचरा प्रबंधन को लेकर नई व्यवस्था पर जोर दिया जा रहा है। अब घरों से निकलने वाले गीले और सूखे कचरे के साथ मेडिकल वेस्ट और खतरनाक कचरे को भी अलग-अलग करना अनिवार्य होगा। इसके लिए कचरे को अलग-अलग रखने की व्यवस्था करनी होगी, ताकि नगर पालिका के कचरा वाहनों में इसे अलग-अलग एकत्र कर आसानी से निपटान किया जा सके। सीएमओ ने बताया कि बड़ी मात्रा में कचरा देने वालों से निर्धारित शुल्क लेने का प्रस्ताव नगर पालिका परिषद की बैठक में रखा गया है।

बालाघाट कलेक्टर-एसपी ने नेता प्रतिपक्ष के प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया

जीतू पटवारी बोले; उर से खुद बात की.. फिर भी दौरे पर नहीं आए, राष्ट्रपति से शिकायत करेंगे

भोपाल। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा सरकार पर आदिवासी क्षेत्रों की बदहाली, बढ़ते कर्ज, मंत्रियों-अधिकारियों के टकराव और अलग-अलग घटनाओं में हुई मौतों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी के बालाघाट दौरे में कलेक्टर और एसपी की गैरमौजूदगी को प्रशासनिक अराजकता बताया। पटवारी ने दोनों अधिकारियों के खिलाफ विधानसभा समेत अन्य मंचों पर शिकायत करने की बात कही।

राहुल गांधी ने पीड़ित आदिवासी परिवारों से की मुलाकात : पटवारी ने कहा कि राहुल गांधी का बालाघाट दौरा राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि पीड़ित आदिवासी परिवारों की पीड़ा सुनने के लिए था। उन्होंने ऐसे परिवारों से मुलाकात की, जिनके तीन महीने से लेकर 17 साल तक के बच्चों की मौत हुई है। पटवारी ने कहा कि इन परिवारों की समस्याओं को सरकार और प्रशासन के सामने उठाना जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा और विकास की स्थिति गंभीर है। करीब 25 साल से भाजपा की सरकार होने के बावजूद आदिवासी बच्चों को समान अवसर नहीं मिल रहे। पटवारी ने आरोप लगाया कि आदिवासी विकास योजनाओं का पैसा राजनीतिक आयोजनों और रैलियों में खर्च किया जा रहा है।

कलेक्टर-एसपी के खिलाफ विधानसभा में मामला उठाने की बात : पटवारी ने कहा कि राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं और उनके दौरे में कलेक्टर-एसपी की मौजूदगी प्रशासनिक जिम्मेदारी थी। उनके मुताबिक उन्होंने मुख्य सचिव और दोनों अधिकारियों से बात कर दौरे में मौजूद रहने को कहा था, लेकिन वे नहीं पहुंचे। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस दोनों अधिकारियों की शिकायत विधानसभा में करेगी। विशेषाधिकार हनन का नोटिस देने, आईएएस-आईपीएस एसोसिएशन के साथ राष्ट्रपति और केंद्रीय गृहमंत्री को शिकायत भेजने की बात भी उन्होंने कही।

अफसर मंत्री की नहीं सुनते तो मंत्री पद पर क्यों : पटवारी ने भाजपा की कोर कमेटी बैठक के बाद सामने आए बयानों का हवाला देते हुए सरकार और अधिकारियों के बीच समन्वय पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि मंत्री कह रहे हैं कि



अधिकारी उनकी बात नहीं सुनते तो सरकार को इसका जवाब देना चाहिए। मुख्यमंत्री की बात अधिकारियों द्वारा नहीं मानने की स्थिति में भी उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाया। उन्होंने उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के कथित बयान, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कलेक्टर-एसपी के उपलब्ध नहीं होने संबंधी बयान और मुख्यमंत्री द्वारा 15 दिन तक फोन नहीं उठाने के एक भाजपा नेता के कथित बयान का उल्लेख किया। पटवारी ने कहा कि सरकार के भीतर ऐसे मतभेद सामने आना गंभीर स्थिति है। उन्होंने अपने पुराने बयान को दोहराते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में सरकार के बजाय सर्कस चल रहा है।

कर्ज और सरकारी खर्च पर भी निशाना : पटवारी ने दावा किया कि सरकार ने अक्टूबर में तीन बार कर्ज लिया है। उन्होंने प्रदेश पर करीब छह लाख करोड़ रुपए का कर्ज और प्रति व्यक्ति करीब 80 हजार रुपए का कर्ज होने की बात कही। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एक ओर कर्ज ले रही है, दूसरी ओर विमान-हेलीकॉप्टर और सरकारी प्रचार पर खर्च कर रही है। भाजपा प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब की जेसीबी से फूल बरसाने वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए पटवारी ने राजनीतिक आयोजनों में दिखावे पर भी सवाल उठाए।

बालाघाट, सागर और इंदौर की घटनाओं पर जिम्मेदारी मांगी : पटवारी ने मुख्यमंत्री के उज्जैन दौरे का जिक्र करते हुए बालाघाट में बच्चों की मौत पर सवाल उठाए। उन्होंने सागर में जहरीली शराब, इंदौर में दूषित पानी और छिंदवाड़ा में कफ सिरप से बच्चों की मौत का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं में राजनीतिक जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। उन्होंने विजय शाह से जुड़े विवाद का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि सरकार मंत्री के बचाव में खड़ी रही।

अमित शाह से पूछे सवाल : पटवारी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से प्रदेश सरकार और संगठन से जुड़े मामलों में जवाब मांगने की अपील की। उन्होंने छिंदवाड़ा में बच्चों की मौत, सागर की जहरीली शराब, इंदौर के दूषित पानी और आदिवासी क्षेत्रों में कुपोषण के लिए राजनीतिक जिम्मेदारी तय करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मंत्रियों और अधिकारियों के बीच विवाद, बढ़ते कर्ज और भ्रष्टाचार से जुड़े सवालों का जवाब सरकार को देना चाहिए।

भ्रष्टाचार का असर हर घर तक : पटवारी ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि इसका असर प्रदेश के हर घर तक पहुंच रहा है। उन्होंने इसे ह्यभ्रष्टाचार का कैंसरह्ल बताया और कहा कि कांग्रेस भी अपने शासनकाल में इस समस्या को पूरी तरह खत्म नहीं कर सकी थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इन मुद्दों को लेकर संघर्ष जारी रखेगी और बालाघाट कलेक्टर-एसपी के मामले को विधानसभा में उठाएगी।

25 दिव्यांगजनों को वितरित किए गए नि:शुल्क सहायक उपकरण, कस्तूरबा गांधी छात्रावास में हुआ पौधरोपण

स्लीमनाबाद पहुंची जल जन सेवा संकल्प यात्रा, जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत



दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित ह्यसेवा संकल्प अभियानह्ल के तहत वडनगर से वाराणसी के लिए निकली ह्यजल जन सेवा संकल्प यात्राह्ल का गुरुवार को स्लीमनाबाद पहुंचने पर भाजपा कार्यकताओं एवं स्थानीय लोगों द्वारा जगह-जगह आत्मीय स्वागत किया गया।

यात्रा के दौरान जल संरक्षण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जनसेवा से जुड़े संदेश आमजन तक पहुंचाए गए। यात्रा के स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के छपरा ग्राम में प्रवेश करते ही भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक टंडन सोनी एवं विधायक प्रणय पांडेय के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा में शामिल लोगों का स्वागत किया। इसके बाद विधायक प्रणय पांडेय भी बाइक यात्रा में शामिल हुए। बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता एवं बाइक सवार यात्रा के साथ आगे बढ़े। विभिन्न मार्गों से गुजरने के दौरान स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर यात्रियों का अभिनंदन किया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, विधायक प्रणय पांडेय, विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह, उम्मेद सिंह, रतन गुप्ता, चंद्रशेखर अग्रहरी, रवि दुबे, सुनील गुप्ता, जगदेव पटेल, प्रदीप जैन, शिवशंकर दुबे सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस रही मुस्तैद

यात्रा के स्लीमनाबाद पहुंचने को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए। एसडीओपी आकांक्षा चतुर्वेदी, थाना प्रभारी विजय विश्वकर्मा सहित पुलिस बल यात्रा के दौरान तैनात रहा। वहीं कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित कराने के लिए जनपद सीईओ अभिषेक कुमार, उपयंत्री, सचिव एवं रोजगार सहायकों सहित प्रशासनिक अमला मौजूद रहा।

कस्तूरबा गांधी छात्रावास में किया पौधरोपण

यात्रा के स्लीमनाबाद पहुंचने पर कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अतिथियों एवं उपस्थित लोगों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया। इस दौरान यात्रा के उद्देश्यों एवं जल संरक्षण तथा पर्यावरण के महत्व की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के पश्चात यात्रा अपने अगले पड़ाव के लिए रवाना हो गई।

25 दिव्यांगजनों को मिले सहायक उपकरण

सेवा संकल्प यात्रा के तहत स्लीमनाबाद में दिव्यांगजनों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। आर्डिनेंस फैक्ट्री कटनी एवं एलिम्को के संयुक्त सहयोग तथा आर्डिनेंस फैक्ट्री के सीएसआर मद से क्षेत्र के 25 दिव्यांगजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक प्रणय पांडेय ने कहा कि सहायक उपकरण मिलने से दिव्यांगजनों की दैनिक गतिविधियां सुगम होने के साथ उनकी गतिशीलता, आत्मविश्वास एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सहायक उपकरण केवल सुविधा उपलब्ध कराने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि दिव्यांगजनों को सम्मान और स्वावलंबन के साथ जीवन जीने में सहयोग देने का महत्वपूर्ण साधन हैं। कार्यक्रम में जनपद सीईओ अभिषेक कुमार, नायब तहसीलदार राजकुमार नामदेव, कार्यक्रम नोडल अधिकारी राजेश पांडेय, राजेश कुमार यादव, उमेश विश्वकर्मा, सहायक यंत्री उमेश हरदानिया, सुशील साहू, जेपी दीवान, पंकज शुक्ला सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। यात्रा के दौरान सेवा, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जनहित के कार्यों में सहभागिता का संदेश दिया गया।



जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने पिलौंजी में निर्माण कार्यों का किया औचक निरीक्षण

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा निर्माण कार्यों को निर्धारित मापदंडों के अनुरूप पूर्ण कराने के उद्देश्य से जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर ने महात्मा गांधी जयंती एवं सेवा संकल्प अभियान के दौरान जनपद पंचायत कटनी की ग्राम पंचायत पिलौंजी में विभिन्न निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पिलौंजी स्थित शांती धाम, सीसी रोड तथा जाली फिनिशिंग कार्यों का अवलोकन कर कार्यों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं पंचायत के मैदानी अमले से निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता तथा तकनीकी मापदंडों के पालन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जिला पंचायत सीईओ ने निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत स्तर पर कराए जा रहे सभी निर्माण कार्यों में निर्धारित तकनीकी मानकों,गुणवत्ता एवं स्वीकृत प्राक्कलन का पालन सुनिश्चित किया जाए। निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए तथा कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यों की नियमित निगरानी करने और आवश्यकतानुसार स्थल पर पहुंचकर प्रगति का सत्यापन करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित होने वाली आधारभूत सुविधाएं जनसामान्य की आवश्यकताओं से सीधे जुड़ी हैं। इसलिए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, उपयोगिता और टिकाऊपन पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत कटनी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रदीप सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक तथा संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर के निर्देश पर करीब 3 करोड़ रुपये कीमत की शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त

राजस्व, पुलिस और नगर निगम की संयुक्त कार्रवाई में 0.20 हेक्टेयर भूमि से हटाया बेजा कब्जा

तहसीलदार के बेदखली आदेश के पालन में कार्रवाई, भूमि को लिया गया शासकीय कब्जे में



दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जों के विरुद्ध कार्रवाई कर अतिक्रमण मुक्त कराने के कलेक्टर श्री आशीष तिवारी द्वारा दिए गए निर्देश के पालन में शुक्रवार को कटनी नगर के माधवनगर अंतर्गत ग्राम पड़रवारा में राजस्व, पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए करीब 3 करोड़ रुपये की अनुमानित शासकीय कीमत वाली भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। न्यायालय तहसीलदार तहसील कटनी नगर द्वारा पारित बेदखली आदेश के पालन में ग्राम पड़रवारा स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 83, कुल रकबा 17.93 हेक्टेयर, में से 0.20 हेक्टेयर भूमि पर किए गए बेजा कब्जे को हटाया गया। कार्रवाई के बाद अतिक्रमण मुक्त कराई गई भूमि को विधिवत शासकीय कब्जे में ले लिया गया। **बेदखली आदेश के पालन में हटाया गया कब्जा**-मौके पर रामकुमार एवं जेठू लाल चक्रवर्ती, कुम्हार मोहल्ला द्वारा शासकीय भूमि पर किए गए कब्जे को हटाने की कार्रवाई की गई। प्रशासन द्वारा बेदखली आदेश के अनुरूप कार्रवाई करते हुए शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। अतिक्रमण मुक्त कराई गई भूमि शासकीय दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसकी अनुमानित सरकारी कीमत करीब 3 करोड़ रुपये आंकी गई है। कार्रवाई के बाद भूमि पर पुनः अतिक्रमण न हो, इसके लिए भी आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया सुनिश्चित की गई। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान तहसीलदार कटनी नगर श्री अजीत तिवारी, नजूल तहसीलदार श्री आकाश नीरज एवं संबंधित हल्का पटवारी सहित राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, पुलिस प्रशासन तथा नगर निगम की टीम मौके पर उपस्थित रही।

जेके सीमेंट की पहल, स्वास्थ्य, पशुधन और स्वच्छता अभियान को मिला बढ़ावा



दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जेके सीमेंट द्वारा सामाजिक सरोकार के तहत क्षेत्र में स्वास्थ्य, पशुधन संरक्षण एवं स्वच्छता को लेकर विभिन्न जनहितकारी गतिविधियां आयोजित की गईं। अभियान के दौरान पवई के सरकारी अस्पताल में टीबी मरीजों के लिए 100 पोषण किट वितरित की गईं। इस पहल का उद्देश्य मरीजों को पोषण संबंधी सहयोग उपलब्ध कराना रहा। इसी क्रम में कोनी गांव में पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 113 पशुओं को किलनी नाशक एवं कृमिनाशक दवाएं वितरित की गईं। वहीं 25 बाँझ पशुओं का उपचार किया गया तथा 46 नवजात बछड़ों को कृमिनाशक दवा पिलाई गई। पशुओं का प्राथमिक उपचार करने के साथ स्थानीय पशुपालक किसानों को 40 किलो मिनरल मिक्सचर भी वितरित किया गया। इसके अलावा स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत ग्रामीणों को स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। विभिन्न स्थानों पर श्रमदान कर साफ-सफाई अभियान भी चलाया गया। जेके सीमेंट की ओर से आयोजित इन गतिविधियों के माध्यम से स्वास्थ्य, पशुपालन और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया। ग्रामीणों ने जनहित से जुड़ी इन गतिविधियों को उपयोगी बताया।

पन्ना टाइगर रिजर्व में नए पर्यटन सत्र का शुभारंभ



दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। पन्ना टाइगर रिजर्व, पन्ना में आज दिनांक 1 अक्टूबर 2026 से नए पर्यटन सत्र का शुभारंभ हुआ । आज से पन्ना टाइगर रिजर्व के समस्त कोर क्षेत्रों में पर्यटकों के लिए निर्धारित पर्यटन सीमा क्षेत्र के अंतर्गत पर्यटन की विधिवत शुरूआत कर दी गई है, जिससे पर्यटक प्रकृति, वन एवं वन्य प्राणियों को समझ और परख सकेंगे। आज पर्यटन सत्र के पहले दिन पन्ना टाइगर रिजर्व के तीनों मुख्य प्रवेश द्वारों – मंडला पर्यटन गेट, हिनौता पर्यटन गेट एवं अकोला पर्यटन गेट का शुभारंभ किया गया। क्षेत्र संचालक महोदय पन्ना टाइगर रिजर्व, उप संचालक तथा सहायक संचालक मंडला सहित परिक्षेत्र अधिकारी एवं वन स्टाफ ने पर्यटकों का स्वागत किया। अधिकारियों ने पर्यटकों को फूल माला पहनाकर एवं हरी झंडी दिखाकर पार्क में प्रवेश के लिए शुभकामनाएं दीं, उनसे रूबरू होकर उनकी जिज्ञासाओं को समझा तथा जिप्सी चालकों व गाइडों को आवश्यक निर्देश दिये ।

हस्ताक्षर कैंपेन (ऱ्ल्लं३४१ उंस्र्ब्ल्ल): पर्यटन सत्र के शुभारंभ के अवसर पर पन्ना टाइगर रिजर्व के तीनों पर्यटन गेटों पर एक विशेष 'हस्ताक्षर कैंपेन' का आयोजन किया गया। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आए भारतीय पर्यटकों के साथ-साथ विदेशी मूल के पर्यटकों ने भी बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और हस्ताक्षर कैंपेन में अपने ऑटोग्राफ दर्ज किए। पर्यटन के पहले दिन से ही पर्यटकों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है और पन्ना टाइगर रिजर्व में वाहनों की संपूर्ण क्षमता (ऋ४'' उंस्र्ब्ल३८) के साथ पर्यटन का संचालन सुचारू रूप प्रारभ्भग हुआ ।

सब जेल पवई में गूंजा भगवान श्रीकृष्ण के अवतरण का संदेश, भक्ति में डूबा कथा परिसर



दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। सब जेल पवई में सब जेल अधीक्षक अभिमन्यु पाण्डेय जी के मार्गदर्शन में आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के चौथे दिवस कथा व्यास डॉ. रजनीश शास्त्री जी के मुखारबिंद से भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का मनोहारी प्रसंग सुनाया गया। भगवान श्रीकृष्ण के अवतरण का प्रसंग जैसे ही कथा में आया, पूरा कथा परिसर भक्तिभाव से गूंज उठा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की खुशी में श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाए और पूरा वातावरण कृष्णमय हो गया। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के पृथ्वी पर अवतरण से जुड़े प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कथा व्यास ने बताया कि जब-जब धरती पर अधर्म बढ़ता है और धर्म की हानि होती है, तब भगवान धर्म की स्थापना और भक्तों की रक्षा के लिए अवतार लेते हैं। भगवान श्रीकृष्ण का अवतरण भी धर्म की स्थापना, अधर्म के विनाश तथा मानव जीवन में सत्य और सदाचार का मार्ग अपनाने का दिव्य संदेश देता है। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग के दौरान कथा स्थल पर श्रद्धा और उत्साह का विशेष वातावरण रहा। उपस्थित श्रद्धालु एवं निरुद्ध बंदी कथा के प्रसंग में भावविभोर नजर आए। जेल परिसर में आयोजित इस धार्मिक आयोजन के माध्यम से निरुद्ध बंदियों को धर्म, सदाचार, आत्मचिंतन और सकारात्मक जीवन की प्रेरणा भी दी जा रही है। इस अवसर पर अखिलेश उपाध्याय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी पवई, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर सुरेश सोनी, डॉ. हरिओम शर्मा, डॉ. प्रशांत भदौरिया, वन परिक्षेत्र अधिकारी पंकज दुबे, हनुमान भाटा के महंत गोपाल दास जी एवं शिष्य मंडल, उमेश द्विवेदी,प्रमोद नगायच,विजय तिवारी,कृष्णा पाण्डेय,विनय त्रिपाठी, पत्रकार बंधु, जेल स्टाफ एवं निरुद्ध बंदी उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के दौरान गांधी जयंती पर आयोजित पिलौंजी की ग्राम सभा में पहुंचीं श्रीमती कौर

ग्राम सभा में महिलाओं की उत्साहजनक भागीदारी देख जिला पंचायत सीईओ हुईं प्रसन्न,महिलाओं से किया सीधा संवाद



दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। ....जब राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत कटनी की ग्राम पंचायत पिलौंजी में आयोजित ग्राम सभा में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती हरसिमरनप्रीत कौर बिना बताए अचानक शामिल हुईं तो महिलाओं एवं स्थानीय नागरिकों के आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा। वहीं ग्राम सभा में महिलाओं की उत्साहजनक भागीदारी देखकर जिला पंचायत सीईओ ने भी प्रसन्नता व्यक्त की तथा इसे ग्राम विकास की प्रक्रिया में महिलाओं की बढ़ती जागरूकता और सक्रिय सहभागिता का सकारात्मक संकेत बताया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ कौर ने उपस्थित महिलाओं से सीधे संवाद कर ग्राम सभा की महत्ता, स्थानीय विकास कार्यों में जनभागीदारी तथा पंचायत की गतिविधियों में महिलाओं की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने महिलाओं को ग्राम सभा में सक्रिय रूप से भाग लेने, अपनी समस्याओं एवं सुझावों को खुलकर रखने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

ग्राम सभा में सहभागिता इसलिए जरूरी- श्रीमती कौर ने कहा कि ग्राम सभा पंचायती राज व्यवस्था की आधारशिला है। ग्राम के विकास की प्राथमिकताओं का निर्धारण, स्थानीय समस्याओं का समाधान तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में ग्रामीणों की सहभागिता महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से गांव के विकास को नई दिशा मिलती है और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप बेहतर निर्णय लिए जा सकते हैं। ग्राम सभा के दौरान उन्होंने ग्रामीणों से निर्धारित एजेंडा एवं स्थानीय विभिन्न विषयों जैसे रिफॉर्म उत्सव,शिक्षा,स्वास्थ्य, रोजगार पर चर्चा कर स्थानीय आवश्यकताओं एवं विकास संबंधी मुद्दों की जानकारी भी प्राप्त की । सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप जनभागीदारी, जागरूकता और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत कटनी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रदीप सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्रामवासी, सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक तथा अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

डबल मनी के नाम पर करोड़ों की ठगी का आरोप छह गिरफ्तार, 66.50 लाख का मशरूका जब्त

कम समय में रकम दोगुनी करने का झांसा देकर निवेश कराने का आरोप; पुलिस को अब तक करीब 1.75 करोड़ रुपये की शिकायतें मिलीं



दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। कम समय में जमा पूंजी दोगुनी करने का लालच, निवेश के नाम पर लोगों से रकम जुटाने की शिकायतें और अब पुलिस की बड़ी कार्रवाई। मंडला के बहुचर्चित डबल मनी प्रकरण में कोतवाली पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार जांच में अब तक करीब 1.75 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी संबंधी शिकायतें सामने आ चुकी हैं।

मंडला से मुंबई तक हुई आरोपियों की तलाश

पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में गठित विशेष टीमों ने मंडला से लेकर बालाघाट, गोंदिया, नागपुर और मुंबई तक आरोपियों की पतासाजी की। कार्रवाई के दौरान गोंदिया, बालाघाट और मंडला से छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

32 लाख नकद, लग्जरी कारें और स्कूटी जब्त

जब्त मशरूके का अनुमानित मूल्य करीब 66.50 लाख रुपये पुलिस के मुताबिक आरोपियों के कब्जे से 32 लाख रुपये नकद सहित तीन स्कूटी, मारुति ब्रेजा, हुंडई अल्काजार और मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। जब्त मशरूके का अनुमानित मूल्य 66.50 लाख रुपये बताया गया है। पुलिस का दावा है कि जांच के दौरान यह भी सामने आया कि हुंडई अल्काजार कार को कथित रूप से धोखाधड़ी से प्राप्त राशि में से 11 लाख रुपये नकद देकर गिरवी से छुड़ाया गया। वाहन और मोबाइल खरीद में भी कथित रूप से प्राप्त रकम के इस्तेमाल की जानकारी सामने आने की बात पुलिस ने कही है।

मुख्य आरोपी पर नागपुर में भी धोखाधड़ी का मामला

गिरफ्तार आरोपियों में राजिक कुरैशी, मोहसिन उर्फ समीम खान, अब्दुल समीर शेख, रासिद खान, साजिद खान और इमरान शेख शामिल हैं। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी राजिक कुरैशी के विरुद्ध नागपुर के नंदनवन थाने में भी धोखाधड़ी का मामला दर्ज है, जिसमें वह जमानत पर है।

असली तस्वीर जांच पूरी होने के बाद होगी साफ

फिलहाल पुलिस निवेशकों की संख्या, उनसे प्राप्त कुल राशि, पैसों के लेन-देन और संपत्तियों से जुड़े रिकॉर्ड खंगाल रही है। पूछताछ में सामने आने वाले तथ्यों से यह स्पष्ट होगा कि कथित निवेश नेटवर्क कितना बड़ा था और इसमें कितनी रकम का वास्तविक लेन-देन हुआ।



हाईवे के ढाबों पर बेखौफ बिक रही महुआ शराब!

लाइन लगाकर शराब खरीदने के आरोप, कार्रवाई के बाद फिर लौट आता है कथित कारोबार – आबकारी-पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। नारायणगंज तहसील क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार को लेकर एक बार फिर गंभीर शिकायतें सामने आई हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नेशनल हाईवे-30 के किनारे संचालित कुछ ढाबे कथित तौर पर शराब बिक्री के अड्डे बनते जा रहे हैं। शिकायतों के मुताबिक यहां देशी-विदेशी शराब के साथ महुआ से बनी कच्ची शराब भी उपलब्ध कराई जा रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शाम ढलते ही कुछ संदिग्ध ढाबों के आसपास शराब खरीदने वालों की भीड़ दिखाई देती है और कथित रूप से लाइन लगाकर शराब उपलब्ध कराई जाती है। यदि शिकायतों में सच्चाई है तो यह महज अवैध शराब बिक्री का मामला नहीं, बल्कि हाईवे की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था से जुड़ा गंभीर विषय भी है।

ढाबा खाने के लिए या शराब का कथित ठिकाना?

ग्रामीणों के अनुसार हाईवे से गुजरने वाले वाहन चालकों के अलावा आसपास के गांवों के लोग भी इन स्थानों पर शराब खरीदने पहुंचते हैं। आरोप है कि ढाबों की आड़ में लंबे समय से कथित शराब कारोबार संचालित हो रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि इन स्थानों पर वैध लाइसेंस के तहत शराब बिक्री नहीं हो रही, तो इतनी बड़ी मात्रा में शराब कथित तौर पर उपलब्ध कैसे हो रही है? और यदि कहीं वैध बिक्री की अनुमति है, तो क्या निर्धारित नियमों के अनुरूप ही बिक्री हो रही है? इन सवालों का जवाब जांच के बाद ही सामने आ सकता है।

कार्रवाई होती है... फिर कारोबार कैसे लौट आता है?

स्थानीय लोगों की सबसे बड़ी नाराजगी कथित अवैध शराब कारोबार पर होने वाली कार्रवाई की निरंतरता को लेकर है। उनका आरोप है कि शिकायतों के बाद जब विभागीय अमला पहुंचता है तो कुछ समय के लिए गतिविधियां बंद दिखाई देती हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद कथित रूप से वही कारोबार फिर शुरू हो जाता है। यदि यह आरोप सही है तो सवाल सिर्फ शराब बेचने वालों पर नहीं, बल्कि कार्रवाई की निगरानी और उसकी निरंतरता पर भी उठना स्वाभाविक है। गंभीर आरोप: कुछ लोगों द्वारा कार्रवाई के नाम पर कथित लेन-देन के आरोप भी लगाए गए हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, इसलिए इनकी सत्यता जांच का विषय है। आरोप सामने आने के बाद निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट किए जाने की मांग की जा रही है।

हाईवे पर शराब बिक्री तो हादसों का खतरा भी!

नेशनल हाईवे के किनारे शराब की कथित बिक्री सड़क सुरक्षा के लिहाज से भी चिंता का विषय है। यदि वाहन चालक शराब का सेवन कर वाहन चलाते हैं तो सड़क दुर्घटना का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में हाईवे किनारे संचालित ढाबों की गतिविधियों की जांच केवल आबकारी नियमों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि सड़क सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के नजरिए से भी जांच जरूरी है।

प्रशासन के सामने सीधे सवाल

स्थानीय नागरिकों ने आबकारी विभाग और पुलिस प्रशासन से हाईवे-30 के किनारे संचालित संदिग्ध ढाबों की अचानक और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। साथ ही शराब के नमूने जब्त कर उनकी जांच, लाइसेंस की वैधता, शराब के स्रोत और बिक्री के रिकॉर्ड की जांच किए जाने की मांग उठी है। अब असली सवाल यही है— अगर हाईवे के ढाबों पर अवैध शराब नहीं बिक रही तो लगातार मिल रही शिकायतों की सच्चाई क्या है? और अगर कथित रूप से शराब बिक रही है, तो कार्रवाई के बावजूद यह कारोबार दोबारा कैसे शुरू हो जाता है? इन सवालों का जवाब केवल कागजी कार्रवाई से नहीं, बल्कि मौके पर अचानक जांच और निष्पक्ष कार्रवाई से ही सामने आएगा। प्रशासनिक जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि शिकायतें महज आरोप हैं या हाईवे किनारे चल रहे कथित शराब कारोबार की कोई वास्तविक तस्वीर भी सामने आती है।

स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के लिए मंडला में बड़े उद्योग और फैक्ट्रियां लगाने की मांग, पलायन रोकने पर जोर

मुख्यमंत्री मोहन यादव जी के मंडला दौरे से पहले मंडला की 12 बड़ी मांगें, उद्योग से लेकर रेल और पर्यटन तक विकास का एजेंडा



दैनिक रेवाँचल टाईम्स - मंडला समाचार। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मंडला आगमन को लेकर जिले में विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे एक बार फिर चर्चा में हैं। स्थानीय स्तर पर मांग उठ रही है कि मंडला को केवल योजनाओं और घोषणाओं तक सीमित न रखते हुए रोजगार, उद्योग, पर्यटन, परिवहन, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में ठोस विकास की दिशा में आगे बढ़ाया जाए। सबसे प्रमुख मांग मंडला में बड़े उद्योग एवं फैक्ट्रियां स्थापित करने की है। जिले में औद्योगिक गतिविधियां बढ़ने से स्थानीय युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिल सकते हैं और रोजगार के लिए होने वाले पलायन को कम करने में मदद मिल सकती है। इसके लिए मंडला में औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार तथा निवेश को आकर्षित करने की दिशा में ठोस पहल की मांग की जा रही है। इसके साथ ही मंडला के समग्र विकास के लिए मुख्यमंत्री के सामने निम्न मांगें प्रमुखता से रखी जा सकती हैं—

मंडला की 12 प्रमुख मांगें– 1. मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरू हो मंडला को मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की बसों से जोड़ते हुए जिले के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की तत्काल मांग। 2. रपटा घाट पर नया केबल ब्रिज बने पुराने रपटा घाट पुल के स्थान पर आधुनिक एवं सुरक्षित केबल ब्रिज का निर्माण कराया जाए, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था और आवागमन को बेहतर किया जा सके। 3. **युवाओं के लिए रोजगार एवं कौशल प्रशिक्षण केंद्र बढ़ें** मंडला में युवाओं के लिए आधुनिक कौशल प्रशिक्षण केंद्रों का विस्तार किया जाए, ताकि स्थानीय युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए बेहतर अवसर मिल सकें। 4. **स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हो**– मंडला में मेडिकल सुविधाओं को मजबूत करने के साथ विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाई जाए, ताकि गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए लोगों को दूसरे शहरों की ओर कम जाना पड़े। 5. **मंडला में बड़े उद्योग एवं फैक्ट्रियां स्थापित हों**– मंडला में बड़े उद्योग और फैक्ट्रियां स्थापित की जाएं, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिले और आदिवासी क्षेत्र से रोजगार के लिए होने वाले पलायन को रोकने में मदद मिले।

6. मंडला को पर्यटन सर्किट से जोड़ा जाए
कान्हा, रामनगर, गरमकुंड, सहस्रधारा और नर्मदा क्षेत्र को जोड़कर मंडला को एक मजबूत पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित किया जाए।

7. **नर्मदा तट और घाटों का संरक्षण**– मंडला शहर के नर्मदा तट और घाटों के संरक्षण, स्वच्छता तथा सीवेज व्यवस्था के लिए विशेष योजना बनाई जाए, ताकि नर्मदा की स्वच्छता और शहर की पर्यावरणीय व्यवस्था बेहतर हो।

8. **पेंचझकान्हाझबांधवगढ़झपन्ना ग्रीनफील्ड कॉरिडोर** पेंच, कान्हा, बांधवगढ़ और पन्ना टाइगर रिजर्व को जोड़ने वाले प्रस्तावित ग्रीनफील्ड कॉरिडोर की प्रक्रिया को जल्द आगे बढ़ाने की मांग। 9. राजा शंकर शाहझकुंवर रघुनाथ शाह की जन्मस्थली में आदिवासी संग्रहालय आदिवासी इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह की जन्मस्थली में आदिवासी संग्रहालय स्थापित किया जाए। 10. मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन का नामकरण/लम्बी रेल परियोजनाओं का शीघ्र निराकरण मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन का नाम वीरांगना रानी दुर्गावती रेलवे स्टेशन किए जाने की लंबे समय से उठ रही मांग को जल्द पूरा करने की पहल की जाए पेंड्रा-मंडला गोटेगांव ,बिलासपुर मंडला जबलपुर के कवलपुर पंडरिया बिछिया मंडला बीजाडांडी ग्वारीघाट तक विस्तार के लिए जल्द ही स्वीकृति देकर बजट में शामिल करें 11. **मंडला शहर में फ्लाईओवर/ओवरब्रिज का निर्माण**– बिंझिया तिराहा से चिलमन चौक होते हुए आरटीआई कॉलेज तक शहर के ऊपर से गुजरने वाले फ्लाईओवर/ओवरब्रिज के निर्माण की दिशा में ठोस पहल की जाए, ताकि शहर की यातायात समस्या को कम किया जा सके।

12. **मंडला को नगर निगम का दर्जा मिले**– मंडला को नगर निगम बनाए जाने की वर्षों पुरानी मांग पर निर्णय लेते हुए शहर के बढ़ते विस्तार और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप नगर निगम का दर्जा देने की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाए।

अब घोषणाओं से आगे ठोस पहल की उम्मीद– मंडला की इन मांगों में रोजगार, परिवहन, स्वास्थ्य, पर्यटन, पर्यावरण, विरासत, रेलवे और शहरी विकास जैसे कई महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं। खास तौर पर उद्योग और रोजगार का मुद्दा जिले के युवाओं के भविष्य से सीधे जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री के मंडला दौरे के दौरान स्थानीय स्तर पर उम्मीद है कि इन मांगों पर केवल आश्वासन नहीं, बल्कि समयबद्ध कार्ययोजना, विभागीय पहल और आवश्यक बजट प्रावधान की दिशा में भी कदम उठाए जाएंगे।

आदिवासी जिले मंडला की अपेक्षा स्पष्ट है

स्थानीय संसाधनों और संभावनाओं के आधार पर ऐसा विकास मॉडल तैयार हो, जिसमें युवाओं को रोजगार के लिए अपना क्षेत्र छोड़ने की मजबूरी कम हो और मंडला को परिवहन, उद्योग, पर्यटन एवं शहरी सुविधाओं के मामले में नई पहचान मिले।

गांधी के सत्य-अहिंसा और शास्त्री की सादगी को अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि : डॉ. अशोक मर्सकोले

गांधी जयंती पर कांग्रेस ने किया राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का स्मरण, संविधान और लोकतंत्र की रक्षा का लिया संकल्प





दैनिक रेवाँचल टाईम्स - मंडला, 2 अक्टूबर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को गांधी मैदान में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर दोनों महान राष्ट्रनायकों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अशोक मर्सकोले ने गांधी जी एवं शास्त्री जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों को स्मरण किया। कार्यक्रम में कांग्रेसजनों ने सामूहिक रूप से ह्ररघुपति राघव राजाराम, पतित पावन सीताराम्ह भजन का गायन किया। इस दौरान गांधी जी के सत्य, अहिंसा और सर्वधर्म समभाव तथा शास्त्री जी की सादगी, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा के विचारों को याद किया गया।

नफरत और विभाजन के दौर में गांधी के विचार और भी प्रासंगिक– डॉ. अशोक मर्सकोले ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा, भाईचारे, सर्वधर्म समभाव और मानवता का संदेश पूरी दुनिया को दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब समाज में नफरत, विभाजन और वैमनस्य फैलाने के प्रयास दिखाई देते हैं, तब गांधी जी के विचारों की प्रासंगिकता और अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री की सादगी, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा सार्वजनिक जीवन से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणा है। उनका ह्रजय जवान, जय किसान्ह का संदेश देश की सुरक्षा और अन्नदाता के सम्मान को समान महत्व देने वाला राष्ट्रीय संकल्प है।

गांधी को मानेंगे, गोडसे की हिंसक विचारधारा का विरोध करेंगे -डॉ. मर्सकोले ने कहा कि कांग्रेस गांधी जी के सत्य और अहिंसा के मार्ग में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि गांधी जी की हत्या करने वाले नाथूराम गोडसे की हिंसक विचारधारा और उसके महिमामंडन का वैचारिक एवं लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विचारों का जवाब विचारों, संविधान और जनशक्ति के माध्यम से दिया जाना चाहिए। हिंसा और नफरत की राजनीति के खिलाफ लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक संघर्ष ही देश को मजबूत करेगा।

मताधिकार और लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प

डॉ. मर्सकोले ने कहा कि मतदाता का स्वतंत्र वोट लोकतंत्र की आत्मा है। चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े जिन सवालों को राहुल गांधी और विपक्ष द्वारा सार्वजनिक रूप से उठाया गया है, उन पर पारदर्शिता और जवाबदेही लोकतंत्र के हित में आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संविधान, लोकतंत्र और नागरिकों के मताधिकार की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपना संघर्ष जारी रखेगी। गांधी जी का सत्य हमारा मार्गदर्शन है, शास्त्री जी की सादगी हमारी प्रेरणा है, संविधान हमारा संकल्प है और लोकतंत्र हमारी जिम्मेदारी है।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राजेश कच्छवाह, अमित शुक्ला, संगठन महासचिव राजेंद्र राजपूत, कांग्रेस प्रवक्ता संजय चौरसिया, नगर अध्यक्ष एडवोकेट रजनीश रंजन उसराठे, युवा कांग्रेस अध्यक्ष संजू अहिवार, सेवादल अध्यक्ष संतोष भलावी, विवेक दुबे, रवि ठाकुर, आशीष जैन पड़वार, गिरधारी लाल निखर, संजय वाल्मीकि, अमन लाहोरिया, राधा गुप्ता, धनेश्वरी कुशराम, रेशमा अल्वी, रोहिणी स्वरूप, कछवाहा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

गांधी जयंती पर महात्मा गांधी को किया नमन, ग्राम स्वराज का लिया संकल्प



दैनिक रेवांचल टाईम्स - नैनपुर/भरभेली। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को ग्राम पंचायत भरभेली के पंचायत भवन में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने महात्मा गांधी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। ग्राम पंचायत की सरपंच यशोदा कमलेश गोंड ने गांधीजी के सत्य, अहिंसा, सादगी एवं ग्राम स्वराज के आदर्शों को आत्मसात करते हुए पंचायत राज व्यवस्था को मजबूत बनाने तथा गांव के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि गांधीजी के ग्राम स्वराज का सपना ग्रामसभा को मजबूत किए बिना पूरा नहीं हो सकता। ग्रामसभा के माध्यम से ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर गांव की प्राथमिकताएं, समस्याएं और विकास कार्य तय किए जाने चाहिए। सरपंच ने पंचायत में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड की समस्याओं को सुनकर ग्रामीणों के सहयोग से विकास की कार्ययोजना तैयार करना पंचायत की प्राथमिकता है। **3 अक्टूबर को होगी विस्तृत ग्रामसभा**- ग्राम पंचायत भरभेली में 2 अक्टूबर को प्रस्तावित ग्रामसभा अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर अब 3 अक्टूबर 2026, शनिवार को सुबह 11 बजे पंचायत भवन में आयोजित की जाएगी। ग्रामसभा में पंचायत के विकास कार्यों, हितग्राहीमूलक योजनाओं, सार्वजनिक निर्माण कार्यों, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा आगामी ग्राम विकास कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं, सुझावों और विकास संबंधी मांगों को ग्रामसभा में रखा जाएगा तथा आवश्यक प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। वही कार्यक्रम में उपसरपंच अखिलेश यादव, पंचायत रोजगार सचिव मनोज यादव, बलराम यादव, रामसिंह भलावी, धर्मेंद्र केवट, सुधीर यादव, सुरेश केवट सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

आम इश्तहार सूचना

मैं, जुगनू बाई नंदा पति हरछट नंदा, उम्र 48 वर्ष, निवासी राजराजेश्वरी वार्ड, तहसील एवं जिला मंडला (म.प्र.), शपथपूर्वक यह घोषणा करती हूं कि मेरे आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक में मेरा नाम जुगनू बाई नंदा पति हरछट नंदा अंकित है। जबकि मेरी भारतीय जीवन बीमा निगम की पॉलिसी क्रमांक 369436722 में मेरा नाम संतोषी नंदा अंकित है। जुगनू बाई नंदा एवं संतोषी नंदा दोनों नाम मेरे ही हैं अतः दोनों नामों को एक ही व्यक्ति के नाम के रूप में मान्य किया जाए। यह आम इश्तहार सूचना संबंधित कार्यालय/विभाग के समक्ष नाम संबंधी अभिलेखों में स्पष्टता एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रकाशित कराई जा रही है।

दिनांक : 11/09/2026

जुगनू बाई नंदा
पति- हरछट नंदा
निवासी-राजराजेश्वरी वार्ड, तहसील एवं जिला मंडला (म.प्र.)



स्वामी,प्रकाशक, मुद्रक, मुकेश श्रीवास द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं सिविल लाईन जवाहर वार्ड मंडला से प्रकाशित। प्रधान संपादक-मुकेश श्रीवास, सिविल लाईन, जवाहर वार्ड मंडला । मो. 9406771592, संपादक - प्रहलाद उइके
RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877 (समाचार पत्र के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार मंडला) Email:- revanchaltimes@gmail.com web-revanchaltimes.in